फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 211 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

04 फरवरी 2026 बुधवार

आज का मौसम

24.2 अधिकतम

14.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

फर्जीवाड़े में एएसआई और कांस्टेबल पर केस दर्ज

जबलपुर। विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी बटालियन में यात्रा भत्तों (टीए) के बिलों में फर्जीवाड़ा हुआ है। फर्जी बिलों के आधार पर साढ़े तीन करोड़ का घोटाला किया गया। इस घोटाले को एएसआई सत्यम शर्मा और आरक्षक अभिषेक झारिया ने अंजाम दिया है। रांझी पुलिस ने रात दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। एएसआई और आरक्षक दोनों को निलंबित कर दिया था। मामले में अन्य 11 जवानों की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। बटालियन में पदस्थ रहते हुए सत्यम व अभिषेक ने फर्जी टीए बिल लगाए। एक ही अवधि में कई बार दोहरा भुगतान ट्रांसफर कराया। किसी को संदेह न हो, इसलिए पोर्टल में ब्लैक एंड वाइट कापी अपलोड की, लेकिन एसएफआईसी की जांच में फर्जीवाड़ा सामने आया।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर

मुंबई। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे में वह घायल हो गई।इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारी गई है। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है। पूनवाला के मुताबिक, एक अनजान व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी मां को गाड़ी से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत का आज खरगोन दौरा

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज सुबह इंदौर पहुंचे। वे कुछ देर संघ कार्यालय सुदर्शन में विश्राम के बाद कसरावद (खरगोन) के लिए रवाना हुए। वहां वे नर्मदालय आश्रम, लेपा पुनर्वास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन एवं नर्मदालय परिवार द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. भागवत 'मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपना विचारपूर्ण संबोधन देंगे।

जहाज से टकराई नाव, 14 की मौत; कई लापता

चियोस। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे। हालांकि अभी बचाव अभियान जारी है, जिसमें चार गश्ती जहाज, एक हेलीकॉप्टर और डाइवर्स वाली एक निजी नाव शामिल हैं।

भागवत की शिक्षा लेने आया युवक फंदे पर लटका मिला

वृंदावन। मथुरा के वृंदावन से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां भागवत की शिक्षा ग्रहण करने के लिए आए एक 25 साल के युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने सुसाइड किया है। युवक ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया था और उसे वायरल भी किया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

आज का कार्टून

समूचे समाज को दहला देने वाली घटना

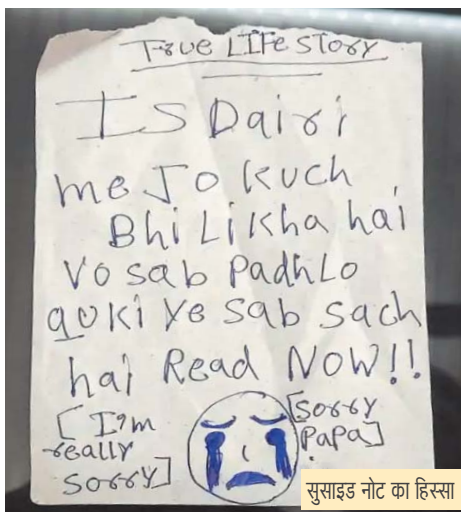

सुसाइड नोट का हिस्सा

मोबाइल गेम की लत में 12 से 16 साल की तीन बहनों ने 9 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली

सुसाइड नोट में लिखा... सॉरी मम्मी-पापा गेम नहीं छोड़ पा रहे

गाजियाबाद, एजेंसी

यहां देर रात हुई दर्दनाक घटना में गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने 9 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। रात करीब 2 बजे तीनों बहनें हाथ पकड़कर बालकनी से कूद गईं। गिरने की आवाज सुनकर कॉलोनी के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। तीनों बहनों की उम्र 12 से 16 साल के बीच है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि तीनों बहनों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते तीनों बहनों ने यह कदम उठाया। घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड आर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया- पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। अभी तक की जांच में आया है कि तीनों ने सुसाइड किया है। तीनों एक साथ ही रहती थीं। मोबाइल से गेम खेलती थीं। किन परिस्थितियों में सुसाइड किया, इसकी जांच की जा रही हैं। तीनों बहनें जिस रूम में सोती थीं, वहां डायरी में सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा है कि ÷मम्मी पापा सॉरी...गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको यह एहसास होगा कि हम इस गेम से कितना प्यार करते थे, जिस गेम को आप छुड़वाना चाहते थे। पिता चेतन ने बताया कि 8 से 10 पेज का सुसाइड नोट है। इसमें बेटियों ने सुसाइड और गेम के संबंध में बताया और लिखा कि कोरियन गेम हमारी जिंदगी, हमारी जान है। चेतन कहते हैं- मेरी बच्चियों के साथ बहुत बुरा हुआ। कोई मां-बाप अपने बच्चों को मोबाइल गेम खेलने न दें। कौन सा टास्क हो जाता है, पता नहीं चलता। मुझे पता होता कि क्या टास्क दे रहे हैं तो हम गेम खेलने ही नहीं देते।

वह बिल्डिंग जिसकी नौवीं मंजिल से तीनों बहनें कूदीं।

स्कूल नहीं जा रही थीं बच्चियां

एसपी अतुल कुमार सिंह ने बताया- लड़कियों की उम्र 12, 14 और 16 साल थी। पिता चेतन ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। पुलिस को रात 2:18 बजे सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिस ऊंचाई से तीनों बच्चियां कूदीं, वहां से जमीन 80 फीट है। तीनों बच्चियां जमीन पर पड़ी मिलीं और गंभीर रूप से घायल थीं। उन्हें एंबुलेंस से लोनी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि तीनों बच्चियों 2 साल से स्कूल नहीं जा रही थीं। दिनभर गेम खेलती थीं। आसपास के लोगों से बात भी नहीं करती थीं।

गेम का टास्क - गोल पूरा करने के बाद सुसाइड

परिवार वालों के अनुसार, तीनों लड़कियां करीब एक साल से ऑनलाइन गेम खेल रही थीं। इस गेम का लास्ट स्टेज था। इसके तहत घर वालों से अंतिम बार मिलकर सबके फोटो लेने थे। इसके बाद सबको एक रूम में बंद हो जानाथा। इसके बाद तीनों को सुसाइड करना था। जिस कोरियन ऑनलाइन गेम के कारण यह घटना घटी, उसके एडमिनिस्ट्रेटर खुद को राजा परिवार से जुड़ा बताते हैं। वे यूजर्स को टास्क देते हैं। इस गेम के आखिर में एक नोट भी लिखा जाता है। नोट उन्हें अधिक प्यार करने वाले मम्मी या पापा को लिखना होता है। इसमें होता है कि सॉरी, मम्मी या पापा, जब हम सुसाइड करते हैं तो हमलोगों की एक अपनी दुनिया बनती है। आनलाइन गेम में पहला टास्क होता है फैमिली से बात नहीं करना और अकेले रहना। इसमें दूसरा टास्क होता है, जब परिवार मोबाइल ले ले तो रोना-धोना। खाना छोड़ देना। लास्ट गोल पूरा करने के बाद सुसाइड करना होता है।

बड़ी बेटी टास्क देती थी, बाकी दोनों मानती थीं

चेतन बताते हैं- बेटियां 3 साल से गेम खेल रही थीं। कहती थीं कि हम लोगों को कोरिया जाना है। हम कभी उनके कमरे में चले जाते तो तीनों वहां से दूसरे कमरे में चली जाती थीं। बड़ी बेटी प्राची दोनों को टास्क देती थी। दोनों छोटी बेटियां उसकी हर बात मानती थीं। तीनों एक साथ ही रहती थीं। एक साथ ही टॉयलेट और नहाने जाती थीं।

हनीमून मर्डर केस, सबूत मिटाने के दो आरोपी बरी

इंदौर, एजेंसी

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। गार्ड बलवीर सिंह अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को सबूतों के अभाव में छोड़ा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने इन्हें सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन डिटेल्ड जांच के बाद हत्या से उनका कोई सीधा संबंध सामने नहीं आया।

पुलिस के मुताबिक राजा की हत्या के बाद आरोपियों द्वारा सबूत छिपाने की आशंका के आधार पर शुरुआती कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सोनम और विशाल चौहान लसूड़िया

राजा-सोनम रघुवंशी मामले में ट्विस्ट

स्थित एक बिल्डिंग में रुके थे। यह बिल्डिंग शिलाम जेम्स के किराए की बताई गई थी, जिसे ब्रोकर के जरिए लिया गया था। रूम का एग्रीमेंट विशाल के नाम पर हुआ था। बिजली बिल और अन्य तकनीकी तथ्यों की जांच के बाद पुलिस को आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सबूत नहीं मिले। शिलॉन्ग की ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि शुरुआती परिस्थितियों और मिली जानकारियों के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में जांच और वेरिफिकेशन में उनकी भूमिका साबित नहीं हो सकी। इसी कारण दोनों को दोषमुक्त कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह सहित अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

भारी हंगामा, लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों को कोई नुकसान नहीं: गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में कहा कि देश के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। हालांकि इस दौरान विपक्ष के सांसदों को विरोध प्रदर्शन जारी रहा और जमकर नारेबाजी भी हुई।

उन्होंने बजट सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्षी सासंदों के शोर के बीच कहा कि देश के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया। कृषि क्षेत्र के हितों की रक्षा होगी और अमेरिकी बाजार में भारत का निर्यात बढ़ेगा। पीयूष गोयल के संसद में भाषण के साथ ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी और तख्तियां दिखाकर विरोध किया। जब सांसदों का हंगामा ज्यादा बढ़ गया तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

अंडर-19 वर्ल्डकप, फाइनल में पहुंचने की जंग

टॉस जीतकर अफगानिस्तान की पहले बैटिंग

हरारे, एजेंसी

अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में आज भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला हो रहा है। इसमें अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया है। इस मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम 6 फरवरी को हरारे में ही इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल खेलेगी। भारतीय टीम अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी है। अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम रही है। टीम ने अब तक पांच बार खिताब जीते हैं, जबकि चार बार टीम रनर-अप भी रह चुकी है। ऐसे में भारतीय टीम की नजर 10वीं बार फाइनल में पहुंचने पर होगी। भारत ने सेमीफाइनल के लिए अपने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है।

- पेज 7 भी देखें

देवास की ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में भीषण आग

देवास। देवास के औद्योगिक क्षेत्र स्थित जीजी ऑटोमैटिव गियर लिमिटेड फैक्ट्री में देर रात भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत फैक्ट्री में लगी ग्राइंडर मशीन से हुई, जो आसपास बड़ी मात्रा में रखे ऑयल के कारण तेजी से फैल गई। सूचना मिलते ही नगर निगम सहित आसपास की औद्योगिक इकाइयों की 10 से अधिक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

राहुल गांधी ने बिट्टू को कहा... 'मेरे गद्दार दोस्त'

आज संसद परिसर में राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को अपना गद्दार दोस्त कहा, जिस पर बीजेपी नेता ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राहुल को देश का दुश्मन कहा। जब बिट्टू मकर द्वार पर विरोध कर रहे कांग्रेस सांसदों के पास से गुजरे तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'देखो, एक गद्दार यहीं से गुजर रहा है। इसका चेहरा देखो।' उन्होंने हाथ बढ़ाया तो बिट्टू ने हाथ मिलाने से मना करते हुए उन्हें देश का दुश्मन कहा।

मेट्रो एंकर

खेल की पहचान सिर्फ खिलाड़ियों से, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर रोक

जिन्हें बैट पकड़ना नहीं आता, वे क्रिकेट संघ चला रहे हैं - सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट और अन्य खेल संघों के संचालन पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि खेल संस्थाओं का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो खेल को समझते हों। क्रिकेट संघों में रिटायर्ड क्रिकेटरों को जगह मिलनी चाहिए, न कि ऐसे लोगों को जो बैट तक पकड़ना नहीं जानते। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की नेतृत्व वाली बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर रोक लगाई गई थी। ये चुनाव 6 जनवरी को होने थे, लेकिन उनमें भाई-भतीजावाद और पक्षपात के आरोप लगे थे। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने ने क्रिकेट संघ की सदस्यता में अचानक हुई बढ़ोतरी पर सवाल उठाया। कोर्ट ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा

कि 1986 से 2023 तक एसोसिएशन में 164 सदस्य थे, लेकिन इसके बाद अचानक बड़ी संख्या में नए सदस्य जोड़ दिए गए। उन्होंने पूछा कि इतने सालों में सीमित सदस्य थे और फिर अचानक 'बंपर ड्रॉ' कैसे हो गया। उन्होंने कहा- अगर सदस्य संख्या 300 तक बढ़ानी थी तो उसमें नामी और रिटायर्ड अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए था।

महाराष्ट्र एसोसिएशन के अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रक्रिया देखी थी और कुछ आवेदनों को खारिज भी किया गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि चैरिटी कमिश्नर ने बिना कैबिनेट से सलाह लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया। मामला तब शुरू हुआ जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भाजपा नेता केदार जाधव ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 401 नए सदस्यों को जोड़कर वोटर लिस्ट में हेरफेर की गई।

कारोबारी और नेताओं के खास

याचिका में कहा गया कि इनमें से कई लोग राष्ट्रवादी कांग्रेस विधायक रोहित पवार के रिश्तेदार या कारोबारी सहयोगी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाएं वापस लेने की अनुमति दी और सभी आपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने रखने को कहा। कोर्ट ने हाईकोर्ट से मामले का जल्द फैसला करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के टॉप-5 राज्य क्रिकेट संघों की बात करें तो इनमें से सिर्फ दो ऐसे हैं, जिनकी कमान पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के हाथ में है। बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं।

पॉलीटेक्निक चौराहा बना जाम का हॉटस्पॉट, नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

भोपाल शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल पॉलीटेक्निक चौराहे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। चौराहे के आसपास नो पार्किंग ज़ोन में खड़ी की जा रही गाड़ियां रोजाना जाम का कारण बन रही हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से खड़ी कारें, बाइक और ऑटो के कारण वाहनों की रफ्तार थम जाती है, जिससे आम नागरिक, छात्र, ऑफिस जाने वाले लोग और एंबुलेंस तक फँस जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की शिकायतें कई बार की जा चुकी हैं, लेकिन पुलिस और यातायात प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। कभी-कभार चालान की औपचारिकता कर दी जाती है, लेकिन स्थायी समाधान न होने से हालात जस के तस बने हुए हैं। चौराहे पर न तो पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और न ही नो पार्किंग नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या किसी बड़े हादसे का इंतज़ार किया जा रहा है? अब शहरवासियों की मांग है कि पॉलीटेक्निक चौराहे पर स्थायी ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए। नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर कड़ी कार्रवाई और टोइंग व्यवस्था लागू हो ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए स्पष्ट संकेतक और बैरिकेडिंग की जाए। अगर समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, तो यह चौराहा आने वाले दिनों में पूरी तरह जाम का स्थायी केंद्र बन सकता है।

भोपाल मंडल में सुरक्षित सफर की तैयारी

नौ महीने में 100 किमी से ज्यादा ट्रैक का कायाकल्प, पटरी नवीनीकरण कार्य तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में अधोसंरचना विकास के साथ-साथ अनुरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ट्रैक नवीनीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से ट्रैक अनुरक्षण से जुड़े संरक्षा-आधारित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भोपाल मंडल में कंप्लीट ट्रैक रिन्यूअल (सीटीआर), थ्रू रेल रिन्यूअल (टीआरआर), थ्रू स्लीपर रिन्यूअल (टीएसआर), थ्रू टर्नआउट रिन्यूअल (टीटीआर) व डीप स्क्रीनिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य आवश्यक ट्रैफिक ब्लॉक लेकर उच्च संरक्षा मानकों के अनुरूप निष्पादित किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल से दिसंबर तक नौ माह की अवधि में 100.741 ट्रैक किलोमीटर में सीटीआर, 121.23 ट्रैक किलोमीटर में टीआरआर, 80.245 ट्रैक किलोमीटर में टीएसआर तथा 80.250 समतुल्य यूनिट्स में टीटीआर का कार्य पूर्ण किया गया है। इसके अतिरिक्त 55 टर्नआउट्स एवं 168.391 ट्रैक किलोमीटर प्लेन ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग भी की गई। इन कार्यों से ट्रैक की मजबूती में वृद्धि हुई है और यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन अधिक सुरक्षित, सुचारू एवं निर्बाध बना है। भोपाल मंडल रेल संरक्षा के लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

भोपाल-धनबाद और भोपाल-चोपन एक्सप्रेस जल्द होंगी शुरू, बार-बार ट्रेन बदलने की परेशानी खत्म

मध्य प्रदेश की राजधानी के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। भोपाल स्टेशन पर तीसरी पिट लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद रेलवे प्रशासन ने धनबाद और चोपन के बीच दो नई एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन की तैयारी तेज कर दी है। रेलवे बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब संबंधित जोन्स को इन ट्रेनों के परिचालन, रखरखाव और प्रचार-प्रसार की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इन सेवाओं के शुरू होने से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी स्थापित होगी।

औद्योगिक क्षेत्रों को मिलेगा लाभ- गाड़ी संख्या 11631/11632 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस का संचालन सप्ताह में तीन दिन किया जाएगा। यह ट्रेन भोपाल से रात 8.55 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 8.30 बजे धनबाद पहुंचेगी। वापसी में यह धनबाद से सुबह 7 बजे चलकर अगले दिन सुबह 7.20 बजे भोपाल आएगी। यह ट्रेन सिंगरौली, चोपन, डाल्टनगंज और बोकारो जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से होकर गुजरेगी। इस रूट से श्रमिकों, व्यापारियों और कामकाजी यात्रियों को काफी सहूलियत होगी, जिन्हें वर्तमान में सीधी ट्रेन न होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विंध्य अंचल की राह होगी सुगम- विंध्य क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल-चोपन एक्सप्रेस (11633/11634) को भी स्वीकृति दे दी गई है। यह ट्रेन प्रत्येक रविवार रात भोपाल से रवाना होकर सोमवार सुबह चोपन पहुंचेगी। वापसी में सोमवार शाम चोपन से चलकर मंगलवार सुबह भोपाल वापस आएगी। इस ट्रेन का ठहराव सागर, कटनी, ब्योहारी, सिंगरौली और ओबरा डैम जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रखा गया है। इससे न केवल सिंगरौली अंचल के यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

दो बैगों से मिले जीवित इंडियन टेंट टर्टल

ट्रेन में 311 कछुओं की तस्करी में कोच के अटेंडेंट को पकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल से प्रतिबंधित वन्यजीवों की तस्करी का एक गंभीर मामला सामने आया है। पटना-इंदौर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 19322) के एच-1 कोच में कार्यरत अटेंडेंट को 311 जीवित कछुओं के साथ पकड़ा गया। यह कार्रवाई 3 फरवरी 2026 को रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई।

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी जसराम गूज के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक हेमंत कुमार राजपूत और आर. जॉनी कुमार ने ट्रेन की नियमित जांच के दौरान एच-1 कोच के अटेंडेंट अजय सिंह राजपूत को संदेह के आधार पर चेक किया। उसके पास मौजूद दो बैगों की तलाशी लेने पर उनमें बड़ी संख्या में छोटे-छोटे जीवित कछुए पाए गए। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रतिबंधित वन्यजीवों के अवैध परिवहन का प्रतीत होने पर अटेंडेंट को ट्रेन से उतारकर आरपीएफ पोस्ट संत हिरदाराम नगर लाया गया। गिनती करने पर बैगों में कुल 311 कछुए मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वन विभाग भोपाल को सूचना दी गई। इसके बाद वन विभाग के एसडीओ विनोद सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में कछुओं की प्रजाति इंडियन टेंट टर्टल पाई गई, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित हैं। वन विभाग ने आरोपी को 311 कछुओं सहित आगे की कार्रवाई के लिए अपने कब्जे में लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 273/23 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पकड़े गए कछुओं को सुरक्षित रूप से वन विभाग के संरक्षण में रखा गया है।

यूनानी चिकित्सा की हिंदी में पढ़ाई करवाने वाला पहला राज्य बनेगा मध्यप्रदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में एलोपैथी के बाद अब यूनानी चिकित्सा पद्धति की उर्दू में होने वाली पढ़ाई भी हिंदी में करने और परीक्षा देने की सुविधा रहेगी। इसके लिए आयुष विभाग ने उर्दू पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कराया है। यह हाल ही में पूरा हुआ है।

स्नातक (बीयूएमएस) प्रथम वर्ष में सात पुस्तकें लगती हैं। इनमें से पांच पुस्तकों का अनुवाद हो गया है। दो पुस्तकें उर्दू और अरबी भाषा की हैं। एनाटमी यानी शरीर रचना विज्ञान और फिजियोलाजी (शरीर क्रिया विज्ञान) की पुस्तकों का अनुवाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कराया था। यूनानी चिकित्सा पद्धति का पाठ्यक्रम भी वही है, इसलिए उन्हीं पुस्तकों का यहां उपयोग किया जाएगा। बता दें, एमबीबीएस पाठ्यक्रम की पुस्तकें, पढ़ाई और परीक्षा हिंदी में करवाने की पहल भी मध्य प्रदेश में ही हुई है। बड़ी बात है कि भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) भी इसके पक्ष में है। आयोग ने हिंदी में पाठ्यक्रम भी तैयार किया है। पुस्तकों का अनुवाद भी कराने की तैयारी कर रहा है। उधर, मेडिकल यूनिवर्सिटी भी उर्दू और अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी प्रश्न पत्र तैयार कर रही है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि हिंदी में लिखने वालों की उत्तर पुस्तिका जांचने की भी पूरी व्यवस्था है।

पुस्तकें उर्दू में ही थीं- बता दें, अभी यूनानी चिकित्सा कॉलेज की कक्षाओं में व्याख्यान हिंदी-उर्दू में होते हैं, लेकिन पुस्तकें उर्दू में ही थीं। आयुष विभाग ने पुस्तकों के अनुवाद के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई थी। तर्क एवं दर्शन शास्त्र, बुनियादी सिद्धांत और चिकित्सा के इतिहास की उर्दू में लिखी पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद किया गया है। जुलाई में सत्र प्रारंभ होने के पहले पुस्तकों का प्रकाशन हो जाएगा। अगले शैक्षणिक सत्र से द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भी हिंदी में पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। बता दें, मध्य प्रदेश में यूनानी चिकित्सा का एक शासकीय और तीन निजी कालेज हैं। देशभर में 57 कॉलेज इस चिकित्सा पद्धति के हैं। यूनानी चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष की पुस्तकें हिंदी में तैयार हो गई हैं। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग भी केंद्रीय स्तर पर पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर रहा है। मध्य प्रदेश पहला राज्य है जहां पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर पढ़ाया जाएगा।

रेडियोलॉजी और शैक्षणिक क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. स्वाति को अवार्ड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जीएमसी की रेडियोलॉजी फैकल्टी डॉ. स्वाति गोयल ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है, उन्हें आईआरआईए 2026 राष्ट्रीय रेडियोलॉजी सम्मेलन के दौरान प्रेसिडेंट्स एप्रिसिएशन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार रेडियोलॉजी और शैक्षणिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। सम्मेलन के दौरान डॉ. स्वाति गोयल ने फैकल्टी वक्ता के रूप में सहभागिता की और रेडियोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर केंद्रित संगोष्ठी का संचालन किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रोफर्ड पेपर्स सत्र की अध्यक्षता भी की। भारतीय रेडियोलॉजिकल एवं इमेजिंग एसोसिएशन और तेलंगाना राज्य शाखा द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिससे यह एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंच के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जीएमसी भोपाल की शैक्षणिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करती है।

एम्स और आईसीआईसीआई के बीच समझौता

आधुनिक तकनीक से दिल के बेहतर इलाज को मिल सकेगी गति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के बीच एक समझौता किया, जिसके तहत हृदय रोग सेवाओं को 3 करोड़ रुपए के सीएसआर सहयोग से और मजबूत किया जायेगा। दिल के बेहतर इलाज, आधुनिक तकनीक और समय पर को मजबूती देने के लिए एम्स ने एक अहम पहल की है।

इस सहयोग का उद्देश्य एम्स भोपाल में हृदय रोगियों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं को और बेहतर बनाना है ताकि आम नागरिकों को उन्नत, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके।

समझौते के तहत आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि का उपयोग हृदय रोग उपचार से जुड़े आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक सुविधाओं के विकास में किया जाएगा, जिससे मरीजों को समय पर जांच और प्रभावी उपचार मिल सके और गंभीर हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले। एम्स प्रबंधन के अनुसार यह सहयोग न केवल संस्थान की हृदय रोग उपचार क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों के लिए भरोसेमंद इलाज का विकल्प भी मजबूत करेगा।

मेट्रो एंकर — कुलसुम बी की मस्जिद में उमड़ी भीड़, कब्रिस्तानों में भी पहुंचे लोग

शब-ए-कद्र की रात भोपाल में अकीदत का सैलाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शब-ए-क़द्र की मुकद्दस रात में भोपाल पूरी तरह इबादत और अकीदत के रंग में डूबा नजर आया। देर रात बुधवारा स्थित कुलसुम बी की मस्जिद में बयान सुनने के लिए शहरवासियों की बड़ी संख्या में पहुंची। मस्जिद के अंदर और बाहर देर तक लोग मौजूद रहे। वहीं, शहर के सभी प्रमुख कब्रिस्तानों में भी भारी संख्या में लोग पहुंचे, जहां उन्होंने अपने मरहूम अज़ीज़ों को याद कर दुआएं कीं और फातिहा पढ़ी।

मुकद्दस रातों में शुमार शब-ए-कद्र आज मनाई जा रही है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने इसे इबादत के ऐतबार से बेहद खास और खुसूसी रात बताया है। उन्होंने कहा कि आज की रात अल्लाह रब्बुल इज्जत इंसान की जिंदगी, रिज्क और मौत से जुड़े तमाम लेखा-जोखा का फैसला फरमाते हैं। शमशुल हसन ने बताया कि कमेटी पिछले दो दिनों से इस रात को लेकर फिक्रमंद थी, क्योंकि शब-ए-कद्र का महत्व बेहद बड़ा है। यह सिर्फ एक रात नहीं, बल्कि इंसान की तकदीर से जुड़ी रात है, इसलिए इसे पूरी तरह इबादत में गुजारना चाहिए। उन्होंने शहर, प्रदेश और देश के लोगों को शब-ए-कद्र की मुबारकबाद देते हुए खास अपील की। कहा कि रात को बेवजह सड़कों पर गाड़ियां दौड़ाने से बचें। परिवार के लोग अपने बच्चों और युवाओं को ताकीद करें कि यह रात गाड़ी भगाने के लिए नहीं, बल्कि इबादत के लिए है, उन्होंने कहा ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी सभी धर्मों–हिंदू, मुस्लिम, सिख व ईसाई–के लिए काम करती है। उन्होंने तमाम मस्जिदों, मदरसों और चौराहों पर लगने वाले मंचों से अपील की कि शब-ए-क़द्र की रात नमाज़, इबादत और दुआओं का पूरा एहतेमाम किया जाए। शब-ए-कद्र की रात को लेकर मस्जिदों में विशेष नमाज़ और इबादत का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। शब-ए-बारात को निस्फ शाबान या मध्य शाबान भी कहा जाता है। यह रमजान के पवित्र महीने के शुरू होने से तकरीबन 15 दिन पहले मनाई जाती है।

लाल परेड मैदान के पास मजार में शब-ए-बारात पर दुआ करते हुए जायरीन। रमजान प्रारंभ होने से ठीक 15 दिन पहले मनाया जाने वाला यह पर्व हिजरी कैलेंडर के आठवें महीने शाबान की 14वीं और15वीं रात के बीच पड़ता है।

राज्य सरकार सरसों को भावांतर योजना में शामिल करने पर कर रही है विचार, सीएम का निर्देश

ओला-पाला से प्रभावित फसलों का सर्वे कर किसानों को उपलब्ध कराई जाए मदद

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की बेड क्षमता में की जाएगी वृद्धि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जहां-जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई हैं, उन जिलों के कलेक्टर्स, सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि किसानों को उपलब्ध कराएं। किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश में पहली बार राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। मूंग के स्थान पर उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

यूथ गेम्स के आयोजन की सराहना की

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में राज्य स्तरीय एमपी यूथ गेम्स-2026 के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित आयोजनों में देशज खेलों को भी शामिल किया जाए। ने कहा कि रीवा मेडिकल कॉलेज में 750 बेड की क्षमता वृद्धि की गई है। प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज की क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीपशुपतिनाथ लोक में विकसित की गई सुविधाओं और प्रतिमा के क्षरण को रोकने के लिए किए गए उपाय को अनुकरणीय बताया। उन्होंने बताया कि मंदसौर के मल्हारगढ़ में आयोजित अन्नदाता सम्मान समारोह में भावांतर योजना में सोयाबीन उत्पादक एक लाख 17 हजार किसानों के खातें में 200 करोड़ रुपए की भावांतर राशि अंतरित की गई।

केन्द्रीय बजट को लेकर भी बोले सीएम

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रस्तुत केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। राजनैतिक विषयों के स्थान पर वित्त आयोग के सुझावों को महत्व देना बजट की विशेषता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में केंद्रीय बजट की विशेषताओं से जनसामान्य को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कच्छ में आयोजित रण उत्सव में टेंट सिटी के माध्यम से की गई ईको-सेंसेटिव आवास व्यवस्था और रोजगार के अवसर सृजित करने के नवाचार सराहनीय हैं।

19 करोड़ की लागत से होगा तैयार

भीमबैटका में बनेगा देश का पहला रॉक आर्ट ईको पार्क म्युजियम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुरातत्व और शैलचित्र प्रेमी अब भीमबेटका में वहां के शिलचित्रों के साथ ही देश भर में मिले शैल चित्रों के चुनिंदा संस्करणों को संपूर्ण जानकारी के साथ एक ही स्थान पर देख पाएंगे। इसके लिए रायसेन जिले के भीमबेटका में राक आर्ट इको पार्क म्यूजियम बनाने की तैयारी है। यह देश में अपने तरह का पहला म्यूजियम होगा। प्रागैतिहासिक धरोहर भीमबेटका को नई पहचान देने के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन निगम यहां 19 करोड़ रुपये की लागत से राक आर्ट इको पार्क म्यूजियम विकसित कर रहा है। भोपाल के पास स्थित 1.12 हेक्टेयर में प्रस्तावित इस अनूठे संग्रहालय का निर्माण 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वर्तमान में डीपीआर पर काम चल रहा है। अस्थायी ढांचे में मिलेगा स्थायी अनुभव पर्यटन बोर्ड के डायरेक्टर प्लानिंग प्रशांत बघेल ने बताया कि प्रस्तावित म्यूजियम की सबसे खास बात इसकी डिजाइन और निर्माण अवधारणा है। इसमें पारंपरिक भवन या हाल बनाने के बजाय अस्थायी सामग्री का उपयोग करके भीमबेटका के मूल परिवेश जैसा ही ईको पार्क' विकसित किया जाएगा। जहां पर्यटकों को गुफाओं जैसा प्राकृतिक अनुभव मिलेगा।

एक जगह, सारे चित्र का अनुभव

भीमबेटका में शैल चित्रों के कई संकुल (क्लस्टर) हैं, जो लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में फैले हुए हैं। यहां सात पहाड़ियों में कुल 750 से अधिक शैलाश्रय (राक शेल्टर) मौजूद हैं। यह नया म्यूजियम दूर-दराज के और दुर्लभ जंगली क्षेत्रों में स्थित बाकी क्लस्टरों (जैसे जावरा, विनयका, भोंरावली और लाखा जुआर) के सभी अनदेखे शैल चित्रों की रेप्लिका को उनके मूल स्वरूप में प्रदर्शित करेगा, जिससे पर्यटक एक ही स्थान पर पूरे भीमबेटका का अनुभव कर पाएंगे।

नितिन की टीम में हो सकते हैं कविता, गजेंद्र-लाल सिंह के नाम

मप्र में अगले 4 महीने ताबड़तोड़ नियुक्तियां, दिल्ली ने मांगे नाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अगले तीन-चार महीनों में सत्ता और संगठन में ताबड़तोड़ नियुक्तियां होंगी। जिला स्तर से लेकर प्रदेश कार्यसमिति, निगम, मंडल, आयोग और बोर्ड में नेताओं को एडजस्ट किया जाएगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की तमाम नेताओं के साथ बैठकें और मंथन का दौर चल रहा है। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पास मध्य प्रदेश संगठन की ओर से करीब 15 प्राधिकरणों और निगमों के अध्यक्षों के नामों की प्रस्तावित सूची दिल्ली भेजी गई थी। केंद्रीय संगठन ने यह कहकर सूची वापस भेज दी कि जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक जितने भी पदों पर नियुक्तियां होनी हैं, सबके लिए नाम मंगाकर पूरी सूची तैयार करें।

अब नितिन नबीन बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। ऐसे में उनकी टीम में एमपी के नेताओं को शामिल किया जाना है। कविता पाटीदार, गजेंद्र पटेल, लाल सिंह आर्य, कमल पटेल और अरविंद भदौरिया जैसे नेता शामिल किए जा सकते हैं।

पहली **लिस्ट में इंदौर भोपाल जैसे प्राधिकरण-** राजनीतिक नियुक्तियों की लिस्ट में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर जैसे बड़े शहरों के प्राधिकरणों में नियुक्तियां होंगी। भोपाल विकास प्राधिकरण के लिए चेतन सिंह चौहान, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के लिए आशीष अग्रवाल, पचमढ़ी विकास प्राधिकरण में संतोष पारीख का नाम है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की करीबी आदिवासी वित्त विकास निगम की अध्यक्ष निर्मला बारेला की जगह किसी दूसरे ट्राइबल लीडर को कमान दी जा सकती है। इधर, दो हजार से कम अंतर से विधानसभा चुनाव हारे आदिवासी नेताओं को मंत्री का दर्जा मिल सकता है। इनमें कल सिंह भाबर, वेल सिंह भूरिया, नत्थन शाह कवरेती, भगत सिंह नेताम, प्रेम सिंह पटेल जैसे नेताओं को मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है।

नाम तय, खुफिया रिपोर्ट भी मंगाई

सूत्र बताते हैं कि जिन नेताओं को मंत्री का दर्जा दिया जाना है, उनके नामों की सूची बनाकर जिलों से उनकी खुफिया रिपोर्ट भी मंगा ली गई है। सूत्र बताते हैं कि संघ की विचारधारा वाले नेताओं के साथ ही मुख्यमंत्री की पसंद को प्राथमिकता दी जाएगी। निगम-मंडल की सूची में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए ग्वालियर-चंबल में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पसंद को महत्व दिया जाएगा। सिंधिया के करीबियों में पूर्व नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, इमरती देवी, रघुराज कंसाना, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया और मुन्नालाल गोयल के नामों पर चर्चा हो चुकी है। भदौरिया का 2023 में विधानसभा टिकट काट दिया गया था। वे किसी पद पर नहीं हैं, ऐसे में उन्हें मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है।

मोदी कैबिनेट में मंत्री बन सकते हैं वीडी शर्मा

मध्य प्रदेश में चल रही राजनीतिक एडजस्टमेंट की कवायद में खजुराहो सांसद वीडी शर्मा को केंद्रीय कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। एमपी से मोदी कैबिनेट में अभी ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान और डॉ. वीरेंद्र कुमार कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि सावित्री ठाकुर और दुर्गादास उईके राज्य मंत्री हैं।

दोनों राज्यों के बीच एमओयू पर हुए दस्तखत

मप्र का निर्वाचन आयोग राजस्थान को देगा ईव्हीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग एवं म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के मध्य मंगलवार को जयपुर में सचिवालय स्थित राज्य निर्वाचन आयोग में अतिरिक्त समझौता ज्ञापन (एडिशनल एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एम.ओ.यू. मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग एवं राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के बीच ईवीएम उपलब्धता एवं उपयोग से संबंधित पूर्व में किए गए समझौते का विस्तार है।

आयुक्त राज्य निर्वाचन म.प्र. श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि इस एडिशनल एम.ओ.यू. के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कुल 30 हजार कंट्रोल यूनिट एवं 60 हजार बैलेट यूनिट किराये पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इन ईवीएम का उपयोग राजस्थान में नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में किया जाएगा। ईवीएम की आपूर्ति, उपयोग, रख-रखाव, सुरक्षा एवं वापसी से संबंधित सभी शर्तें भारत

राजस्थान निर्वाचन आयोजन ने जताया आभार

राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आपसी समन्वय एवं सहयोग संघीय ढांचे की भावना को मजबूत करने के साथ चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान ईवीएम की सुरक्षा, परिवहन, भंडारण एवं संचालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रोटोकॉल के तहत सुनिश्चित की जाएगी। ईवीएम के तकनीकी परीक्षण (एफ.एल.सी.), मरम्मत एवं आवश्यक तकनीकी सहयोग का कार्य भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा किया जाएगा। एडिशनल एम.ओ.यू. में यह भी प्रावधान किया गया है कि ईवीएम के परिवहन, लोडिंग-अनलोडिंग, सुरक्षा व्यवस्था तथा तकनीकी स्टाफ की यात्रा से संबंधित व्यय की व्यवस्था निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी। चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात ईवीएम की वापसी, परीक्षण एवं क्षति की स्थिति में प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया भी स्पष्ट रूप से तय की गई है।

पुलिस ने डकैती और चोरी की दो बड़ी वारदातों का किया खुलासा

भोपाल। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति के तहत निरंतर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पिछले 48 घंटों के भीतर विदिशा और खरगोन पुलिस ने दो अलग-अलग बड़ी वारदातों का खुलासा करते हुए लगभग 1 करोड़ 90 लाख रुपये की संपत्ति बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। विदिशा पुलिस ने थाना त्योदा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रायखेडी में घटित सनसनीखेज डकैती का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई पुलिस ने चार मुख्य आरोपियों और एक विधि-विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 44 तोला सोना, 1 किलो 300 ग्राम चांदी, 10 लाख रुपये नगद बरामद की है।

मप्र में घट सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें, वैट में मिल सकती है राहत, सीएम ने दिए संकेत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत सरकार ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश में इलेक्ट्रिकल व्हीकल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह आगे भी जारी रहेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि पेट्रोल-डीजल की चुनौती हमारे सामने हैं। वित्तीय तरलता के लिए हम अपनी आय के स्रोत को नजरअंदाज भी नहीं कर सकते हैं लेकिन समय- समय पर कट लगाते हुए निराकरण करेंगे।

18 फरवरी को राज्य का बजट आने वाला है, इसमें काफी हद तक निराकरण करेंगे। पेट्रोल-डीजल पर लग रहे वैट (वेल्यू एडेड टैक्स) को लेकर यह बात मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को आम बजट पर मीडिया से संवाद में कही। इसे वैट में कमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

वर्तमान में यह है दर

- मध्य प्रदेश में पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, ढाई रुपये प्रति लीटर उपकर लिया जाता है। डीजल पर 19 प्रतिशत वैट के साथ डेढ़ रुपये प्रति लीटर उपकर लगता है।
- इसे कम करके महंगाई से राहत देने की मांग लंबे समय से उठती रही है लेकिन राज्य की आय का बड़ा स्रोत होने के कारण इसमें कमी नहीं की जा रही है।
- चूंकि, आम बजट में ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। मध्य प्रदेश इस दिशा में काम भी कर रहा है और इसे आगे भी जारी रखा जाएगा।
- इसलिए संभावना जताई जा रही है कि वैट में कुछ कमी की जा सकती है। हालांकि, यह तभी होगा जब राजस्व वृद्धि के विकल्प तैयार होंगे।
- 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करना हिम्मत का काम
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करना हिम्मत का काम है।
- प्रदेश को रिपोर्ट के अनुसार कम राशि मिलने पर उन्होंने कहा कि जीडीपी में जिसका जितना हिस्सा उस अनुपात में कर में हिस्सा मिलेगा।
- हम जीएसडीपी को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए जहां निवेश बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा तो दूसरी ओर कृषि वर्ष में इससे संबद्ध उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- इस दौरान उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, भाजपा के प्रदेश भाजपा प्रभारी डा. महेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

मप्र में 7 से शुरू होगा समर्थन मूल्य पर गेहू खरीदी पंजीयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन 7 फरवरी से शुरू होगा। किसान 7 फरवरी से 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान-पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। पूर्व वर्षों की किसी अपात्र संस्था में केन्द्र प्रभारी एवं ऑपरेटर को किसी अन्य संस्था में पंजीयन के लिए नहीं रखा जायेगा।

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सभी जिलों में किसानों और कृषि के संबंध संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। किसान-रथ के माध्यम से किसानों के खेत तक योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं।

मेट्रो एंकर — एयर एंबुलेंस से 1,200 घंटे उड़ान का अनुबंध, 204 घंटे ही हो पाया उपयोग

पीएमश्री हवाई एंबुलेंस सेवा का 32 जिलों में नहीं मिला लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गंभीर मरीजों को आपात चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मई 2024 में शुरू की गई पीएमश्री हवाई एंबुलेंस सेवा का प्रदेश के 32 जिलों में लाभ ही नहीं मिल पाया। यहां एयर लिफ्ट किए गए मरीजों की संख्या शून्य है। इसका मुख्य कारण योजना के प्रति विधायकों और सांसदों की रुचि न लेना और जिलों में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार का अभाव है।

मरीजों को एयर लिफ्ट करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) और उसके बाद कलेक्टर की अनुमति लगती है। इससे भी महत्वपूर्ण सांसद-विधायक की अनुशंसा है, जिसके अभाव में मरीज लाभ नहीं ले पाते। विमान कंपनियों से सरकार ने 1,200 घंटे उड़ान के लिए अनुबंध किया था, लेकिन 204 यानी 17 प्रतिशत घंटे ही उड़ान भरा गया। विगत वर्ष फिक्स्ड विंग एयर एंबुलेंस के कुल 720 घंटों में से 25 प्रतिशत यानी 180 घंटे ही उपयोग हुए। इसी तरह हेली एंबुलेंस के कुल 480 घंटों में से केवल सात प्रतिशत घंटे ही उपयोग किए हो पाए।

इन पांच जिलों में सर्वाधिक मरीज लाभान्वित- प्रदेश के पांच जिले ऐसे भी हैं जहां एयर एंबुलेंस का सर्वाधिक उपयोग हुआ। रीवा में 44, जबलपुर में 21, भोपाल में 14, छतरपुर में 11 और ग्वालियर में पांच रोगी इस सुविधा से लाभान्वित हुए हैं। शेष 17 जिलों में एक-दो मरीजों को ही इसका लाभ मिला है। इस तरह मप्र में मई 2024 से जनवरी 2026 तक पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा से प्रदेश में 127 रोगियों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 2024-25 में मई 2024 से मई 2025 तक कुल 69 रोगियों को एयर लिफ्ट किया गया। औसतन छह रोगी प्रतिमाह। वहीं वर्ष 2025-26 में 19 जुलाई 2025 से जनवरी 2026 तक छह माह में 58 रोगियों को एयर लिफ्ट अस्पतालों तक पहुंचाया गया। इस वर्ष औसतन 10 रोगी प्रतिमाह एयर लिफ्ट किए गए। मप्र में पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा जमीनी स्तर पर लाभ नहीं दे पा रही है। कुछ मरीजों को तीन से चार दिन इसके लिए इंतजार करना पड़ा। जबकि, अनुबंध के अनुसार निर्धारित हेलीकाप्टर और फिक्स्ड-विंग फ्लाइंग आइसीयू को प्रदेश में ही 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध रहना था।

संभागवार इन जिलों में नहीं मिला लाभ

उज्जैन के आगर मालवा, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर। इंदौर संभाग के अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, झाबुआ, खरगोन। जबलपुर संभाग के छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, पांढुर्ना। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना। चंबल संभाग के मुरैना, श्योपुर, भिंड। रीवा संभाग के सीधी, मऊगंज, मैहर। भोपाल संभाग के सीहोर, राजगढ़, रायसेन। सागर संभाग के टीकमगढ़, निवाड़ी। शहडोल संभाग के शहडोल, उमरिया। कुल 32 जिलों में एयरलिफ्ट के शून्य केस हैं।

पहले ई-बजट की तैयारी

मध्यप्रदेश सरकार का आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट केवल एक वार्षिक लेखा-जोखा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का स्पष्ट संकेतक बनने जा रहा है। 16 फरवरी से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र में पेश होने वाला यह बजट कई कारणों से ऐतिहासिक माना जा रहा है। एक ओर इसके आकार में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह प्रदेश के संसदीय इतिहास का पहला पूर्णतः ई-बजट होगा। कागजों के पुलिंदे की जगह टैबलेट से पढ़ा जाने वाला बजट भाषण प्रशासनिक कार्यशैली में बदलते दौर का प्रतीक है। वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का यह कहना कि बजट 'सर्वस्पर्शी' होगा, सरकार की उस मंशा को दर्शाता है जिसमें समाज के हर वर्ग को साधने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और समावेशी विकास के विजन के अनुरूप सरकार इस बजट के जरिए एक व्यापक रोडमैप पेश करने की तैयारी में है। खासतौर पर 2026 को कृषि कल्याण वर्ष घोषित किए जाने से यह स्पष्ट है कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को केंद्र में रखा जाएगा। अनुमानित रूप से 4.63 लाख करोड़ रुपये का यह बजट पिछले वर्ष के 4.21 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले बड़ा होगा। सरकार का जोर उन चार स्तंभों-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति-पर रहेगा, जिनका उल्लेख केंद्र की नीतियों में लगातार होता रहा है। कृषि क्षेत्र के लिए इस बजट में बड़े प्रावधानों की उम्मीद की जा रही है। खेती के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता और उद्यानिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। यदि ये घोषणाएं जमीन पर उतरती हैं, तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलना तय है। बजट से सरकारी कर्मचारियों को भी राहत मिलने की संभावना है। लंबे समय से लंबित स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा यदि होती है, तो यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसके साथ ही औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए नए प्रोत्साहन पैकेज सरकार की आर्थिक सोच को दर्शाएंगे। बड़े शहरों और मेट्रोपॉलिटन रीजन में अधोसंरचना विकास पर फोकस यह संकेत देता है कि शहरीकरण की चुनौतियों को भी सरकार नजरअंदाज नहीं करना चाहती। कुल मिलाकर, यह बजट डिजिटल बदलाव, कृषि कल्याण और समावेशी विकास के दावों की कसौटी होगा। असली परीक्षा यही रहेगी कि कागजों और टैबलेट पर दिखने वाले वादे जमीन पर कितनी मजबूती से उतरते हैं।

विश्व कैंसर दिवस

मौन महामारी की तरह फैलती कैंसर की बीमारी, जागरुकता ही सबसे बड़ा बचाव

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल, आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं। जिसका नतीजा है कि अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है।

दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं। कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं- वजन का घटते जाना, शरीर में रक्त की कमी, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना, आवाज में बदलाव, सांस लेने में दिक्कत, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि।

कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

डॉ. फरीद बज़मी : किताबों, रंगमंच और कर्तव्य की रोशनी... बुझने नहीं दिया ज्ञान और सेवा का दीप

अलीम बज़मी
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ लोग जीवन को जीते हैं, कुछ लोग जीवन को अर्थ देते हैं,और कुछ ऐसे होते हैं, जिनके जाने के बाद भी उनका उजास हमारे आसपास बना रहता है। डॉ. फरीद बज़मी उन्हीं विरले लोगों में थे।

4 फरवरी उनकी यौमे पैदाइश की तारीख है। यह वही तारीख़ है, जो हर साल आते ही स्मृतियों की परतों को खोल देती है। 6 जून 2023 को उन्होंने इस फानी दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी शख़्सियत, उनका काम और उनका सृजन आज भी वैसा ही जीवित है- जैसे किसी पुरानी, सुगंधित किताब का आखिरी पन्ना, जो बंद करने के बाद भी मन में खुला रह जाता है। डॉ. फरीद बजमी-हिंदी रंगमंच का एक सशक्त चेहरा, लेखक, निर्देशक, अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतिनिधि, और पुलिस विभाग में चीफ लाइब्रेरियन-असल में एक मलंग, दरवेश और कलंदर थे। उनका जीवन शोर नहीं करता था, बल्कि खामोशी से मिसाल बनता था।

बीमारी से जूझते हुए भी हौसले की मिसाल: कैंसर जैसी भयावह बीमारी से लड़ते हुए भी उन्हें पूरा यक़ीन था कि वे जीतेंगे। और वे जीते भी। कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के कठिन दौर के बाद वे जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटे। फिर से लोगों से मिलना-जुलना शुरू किया। जीवन ने जैसे एक बार फिर दस्तक दी। लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। 24 दिसंबर 2023 को फ़ालिज (पक्षाघात) ने उन्हें बिस्तर तक सीमित कर दिया। आधा शरीर साथ छोड़ चुका था, लेकिन हौसला, संकल्प और ज़िम्मेदारी जस की तस खड़ी थी।

इतिहास रच दिया: आईएसबीटी के नजदीक स्थित पालीवाल अस्पताल के बिस्तर पर लेटे-लेटे उन्होंने वह कर दिखाया, जो बहुत से स्वस्थ लोग भी नहीं कर पाते। पुलिस रेग्यूलेशन एक्ट पर वर्षों से अधूरी पड़ी किताब को पूरा किया। वह अस्पताल में रहते हुए अंतिम रूप में सामने आया। समय-समय पर हुए सभी संशोधनों को समेकित कर उन्होंने इस एक्ट को एक अद्यतन, प्रमाणिक और उपयोगी दस्तावेज़ का रूप दिया। यह पुस्तक आज पुलिस विभाग के हर कर्मचारी और अधिकारी के लिए मार्गदर्शक है।

अनुराधा शंकर ने उन्हीं के हाथों से इस पुस्तक का विमोचन कराया: तत्कालीन एडीजी आदरणीया अनुराधा शंकर जी ने उन्हीं के हाथों उसी अस्पताल में इस पुस्तक का विमोचन कराया। यह एक ऐसा दृश्य, जो प्रशासनिक इतिहास के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं में भी दर्ज हो गया। उस दिन डॉ. फरीद बजमी की आंखों में संतोष था, कृतज्ञता थी और एक सादगी भरी मुस्कान। मौजूद पुलिस अफसरों की भीड़ ने उनके इस प्रयास को काफी सराहा।

लाइब्रेरी उनके लिए इबादत थी: डॉ. फरीद बजमी के लिए पीएचक्यू की 'लाइब्रेरी' कोई इमारत नहीं, बल्कि इबादत थी। पीएचक्यू की लाइब्रेरी को उन्होंने सिर्फ़ संवारा नहीं, बल्कि उसे मध्यप्रदेश शासन का पहला RFID-सुसज्जित ग्रंथालय बनाया। पुस्तकों की व्यवस्था, तकनीक, माहौल-सब कुछ ऐसा कि भीतर कदम रखते ही एक सुखद अहसास हो। उन्होंने अपने सेवाकाल में पुलिस के 18 ग्रंथालयों के लिए आधारभूत ढांचा, सेवाएं, स्टाफ और भर्ती नियमों की शासन स्वीकृति दिलवाई। कोरोना लॉकडाउन जैसे कठिन समय में भी, वाचनालय बंद रहते हुए बाकी सभी ग्रंथालयीन सेवाएं निर्बाध चलती रहीं।

रंगमंच: उनका दूसरा संसार: भोपाल में 4 फरवरी 1962 को जन्मे फरीद बजमी ने राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र, अंग्रेज़ी साहित्य में स्नातकोत्तर शिक्षा के साथ ही ग्रंथालय विज्ञान में पीएचडी की। वे साइबर लॉ में विशेषज्ञता रखते थे।

उनकी आत्मा रंगमंच में बसती थी: पद्मश्री स्वर्गीय बंसी कौल के सानिध्य में उन्होंने रंगमंच का ककहरा सीखा। विदूषक शैली, व्यंग्य, चुहल-उनका रंगकर्म ठेठ देशज और ज़मीन से जुड़ा था। लगभग 350 नाटकों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भागीदारी और 'रंग विदूषक' संस्था के माध्यम से देश ही नहीं, बल्कि अमेरिका, चीन, फ्रांस, सूरीनाम, बांग्लादेश, सिंगापुर में आयोजित नाट्य समारोह में सक्रिय भूमिका निभाई। पद्मश्री स्वर्गीय रंगकर्म निदेशक बंसी कौल के सानिध्य में ''भारत महोत्सव' (थाईलैण्ड, रूस), ''पुस्तक मेले' (जर्मनी), ''19 वें राष्ट्रमंडल खेल'' (नई दिल्ली), ''लित्सुवानिया गेम्स'' (गोवा) एवं ''ब्रिक्स'' (गोवा) तथा ''साउथ एशियन गेम्स'' (गुवाहटी) में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में तकनीकी निदेशक के रूप में सम्मिलित हुए ।

सिद्धांतों पर अडिग, जीवन में सरल रहे: सरकारी सुविधाओं का निजी उपयोग नहीं, सरकारी वाहन से दूरी, अनावश्यक अवकाश से परहेज़। छुट्टियों में भी वे या तो लाइब्रेरी में मिलते या रंग विदूषक के दफ़्तर में। उन्होंने पुलिस कर्मियों को महिला सशक्तिकरण, कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आत्महत्या जैसे विषयों पर जागरूक करने के लिए कुछ नाटकों और वृत्तचित्रों का सृजन किया।

पुरस्कार और उपलब्धियां : डॉ. फरीद बजमी ने विशेषकर वर्ष 2005 में हिंदी में ''कम्प्यूटर अपराध'' विषय पर पुस्तक लिखी। भारत शासन ने इसे पंडित गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित किया। सराहनीय सेवा के लिए 2003 में 'भारतीय पुलिस पदक' मिला। वर्ष 2020 में 'राष्ट्रपति पुलिस पदक' से सम्मानित भी किया गया। पुरस्कार कभी उनके व्यक्तित्व से बड़े नहीं हुए। इसका कभी घमंड नहीं किया।

दरअसल कबीर की निर्गुण परंपरा के संवाहक डॉ. फरीद बजमी ने अपने जीवन को मस्तमौला अंदाज में जिया। न गिला रखा, न शिकवा किया। बस काम, किताबें, रंगमंच और इंसानियत। आज उनकी कमी बहुत खलती है। उनकी मोहब्बत, मुस्कुराहट, नेक तमन्नाएं और दुआएं- मेरे साथ थीं, मेरे साथ हैं और हमेशा रहेंगी।

मैं डॉ. फरीद बजमी को अपनी खिराजे अकीदत पेश करता हूं।

अंत में वही शेर, जो उन पर सटीक बैठता है-

हज़ारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पे रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा

फेसबुक वॉल से.....साभार

हेल्थ टिप्स

सभी के लिए जरूरी नहीं ग्लूटेन फ्री डाइट, सिर्फ ट्रेंड देखकर फॉलो न करे

ग्लूटेन फ्री डाइट का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है और कई लोग इसे फॉलो कर रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो यह डाइट सभी के लिए जरूरी नहीं है। जिन लोगों को ग्लूटेन पचाने में समस्या होती है, उन लोगों के लिए यह डाइट बेहतर मानी जाती है। सामान्य लोगों के लिए प्रोटीन और जिन लोगों को ग्लूटेन से परेशानी होती है, उन्हें अक्सर ग्लूटेन फ्री डाइट अपनाने की सलाह दी जाती है। ग्लूटेन एक प्रकार का प्रोटीन है, जो गेहूं, जौ, राई और इनसे बने प्रोडक्ट्स में पाया जाता है। ज्यादातर लोग इसे आसानी से पचा लेते हैं, लेकिन कुछ लोगों में यह पचने में समस्या पैदा कर सकता है। आजकल सोशल मीडिया पर इस डाइट को सेहत के लिए वरदान माना जा रहा है और इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। कई लोग दावा करते हैं कि ग्लूटेन फ्री डाइट से वजन कम होता है, पेट साफ रहता है और एनर्जी लेवल बढ़ता है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि क्या सच में हर किसी के लिए यह डाइट फायदेमंद है?

डाइटिशियन रंजना सिंह ने बताया कि ग्लूटेन सेंसिटिविटी और सीलिएक डिजीज वाले लोगों के लिए ग्लूटेन फ्री डाइट जरूरी होती है। ऐसे लोग अगर ग्लूटेन का सेवन करेंगे, तो इंटेस्टाइन में सूजन और पोषक तत्वों के अवशोषण में कमी जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे मामलों में ग्लूटेन फ्री डाइट की सलाह दी जाती है। हालांकि सभी लोगों के लिए ग्लूटेन फ्री डाइट अपनाना फायदेमंद नहीं है। दरअसल बाजार में मिलने वाले ग्लूटेन फ्री प्रोडक्ट में ज्यादा शुगर, फैट और प्रोसेस्ड इंग्रेडिएंट्स होते हैं। इन्हें खाने से वजन कम होने के बजाय बढ़ सकता है और ब्लड शुगर लेवल भी प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा ग्लूटेन फ्री डाइट से फाइबर और कुछ जरूरी विटामिन्स की कमी भी हो सकती है, जिससे पेट की सेहत और डाइजेशन बुरी तरह प्रभावित होता है।

डाइटिशियन के अनुसार ग्लूटेन फ्री डाइट अपनाने से पहले अपने शरीर की जरूरतों और मेडिकल हिस्ट्री को समझना बहुत जरूरी है। सिर्फ फैशन या ट्रेंड के लिए इसे लेना आपके लिए जरूरी नहीं है। अपनी डाइट में आप चावल, बाजरा, ज्वार, क्विनोआ और ओट्स जैसे विकल्प शामिल कर सकते हैं। इसके साथ-साथ सब्जियां, फल, दालें और प्रोटीन युक्त फूड्स का संतुलित सेवन करना जरूरी है। इससे आपका शरीर आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करता है और ग्लूटेन से हटकर भी आप स्वस्थ रह सकते हैं। अगर आपको ग्लूटेन से जुड़ी कोई समस्या है, तब इस कंडीशन में आप इस डाइट को फॉलो करें।

सुविचार

खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।
– स्वामी विवेकानंद

निशाना

लोभ विष से डंसा..!

नीतिराज चौरे नीति

क्या पढ़ लिया क्या लिख लिया, याद कुछ नही रखा,
क्या कमाया क्या गंवाया संसार इसमें है फंसा।।
अपनो ने अपनो को ही कैसे, लोभ विष से है डसा,
सबके दुख से जो दुखी हो ऐसा मानव कहाँ है बसा,
तेरा मेरा मेरा तेरा भाव तू कैसे ह्रदय में जिया,
प्रकृति ने तो सभी को देने का प्रण है किया।
हमने सोचो इस धरा को कैसे और कितना दिया,
हम हैं कितने स्वार्थी सोचा कभी
इससे हमने कितना है लिया,
सबके दुख से जो दुखी हो
ऐसा मानव कभी मिले अनूप
तो समझिये उसे प्रभु का रूप।

न्यू लॉन्च

चश्मा ट्रैक करेगा दिल की धड़कन, आ गए Oakley Meta के AI ग्लास

Oakley और Meta ने मिलकर दुनिया के पहले परफॉरमेंस एआई ग्लास लॉन्च किए हैं। इनका नाम Oakley Meta Vanguard है। ये चश्मे उन एथलीट्स के लिए बनाए गए हैं जो अपने ट्रेनिंग में टेक्नोलॉजी का तड़का चाहते हैं। 52,300 रुपये की शुरुआती कीमत वाले ये स्मार्ट ग्लास न सिर्फ स्टाइलिश हैं, बल्कि एआई टेक्नोलॉजी से लैस भी हैं। ये स्मार्ट ग्लास वर्कआउट और ट्रेनिंग के दौरान क्षमता को कई गुना बढ़ा सकते हैं। इन चश्मों की सबसे खास बात है कि इनका AI अब हिंदी भाषा को भी सपोर्ट करता है। ऐसे मे इन्हें इस्तेमाल करना काफी आसान हो जाता है।

इन ग्लासेस को खास तौर पर हाई-इंटेंसिटी स्पोर्ट्स के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें Meta AI का सपोर्ट भी मिलता है, जो गार्मिन Garmin और अन्य फिटनेस ऐप्स के साथ जुड़कर आपके हार्ट-रेट और परफॉरमेंस की रियल-टाइम में जानकारी दे सकता है। इन ग्लासेज को पहनकर आप बस 'Hey Meta' बोलकर अपनी प्रोग्रेस जान सकते हैं। भारतीय यूजर्स के लिए इसमें हिंदी भाषा का सपोर्ट भी दिया गया है। ऐसे में हिंदी में कमांड देकर इन स्मार्टग्लासेज से फोटो क्लिक कर सकते हैं या मैसेज भेज सकते हैं। इन ग्लासेज की एक खास बात और है कि इसमें बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण की आवाज को एआई की आवाज के तौर पर चुना गया है।

पावरफुल कैमरा और लंबी बैटरी लाइफ: इन स्मार्ट चश्मों में 12-मेगापिक्सल का POV कैमरा लगा है, जो 3K रेजोल्यूशन तक वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। इनकी मदद से एथलीट्स अपने मैराथन या एडवेंचर को बिना हाथ लगाए रिकॉर्ड कर सकते हैं। इन स्मार्ट चश्मों की बैटरी लाइफ काफी दमदार है। एक बार चार्ज होने के बाद आप इन्हें 9 घंटे तक चला सकते हैं। चार्जिंग केस के साथ इसकी बैटरी 36 घंटे तक बढ़ जाती है। साथ ही, इसके ओपन-ईयर स्पीकर्स काफी तेज हैं, जो शोर-शराबे वाली सड़क या तेज हवा के बीच भी साफ साउंड करते हैं।

मजबूत डिजाइन और PRIZM लेंस: खेलों के दौरान मजबूती के लिए ये स्मार्टग्लासेज IP67 रेटिंग के साथ आते हैं, जिसका मतलब है कि यह धूल और पानी से पूरी तरह सुरक्षित हैं। Oakley की थ्री-पॉइंट फिट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की वजह से ये चश्मे हेलमेट या टोपी के साथ भी चेहरे पर टिके रहें। इसमें ओकली की मशहूर PRIZM लेंस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है, जो रंगों और कंट्रास्ट को बढ़ाकर एथलीट्स को बारीक चीजें साफ देखने में मदद करती है। यह कलेक्शन चार अलग-अलग रंगों में उपलब्ध है।

सोशल मीडिया / वायरल

पैदा होते ही मां-बाप ने करवाया था सीक्रेट 'ऑपरेशन', खुद को लड़की समझता रहा लड़का

सोशल मीडिया पर एक शख्स ने अपनी लाइफ की अजीबोग़रीब सच्चाई लोगों के साथ शेयर की। उन्होंने बताया कि कैसे एक सीक्रेट की वजह से उसने अपनी लाइफ के 19 साल गलत जेंडर में बिताए। कई बार मां-बाप अपने बच्चे की भलाई के लिए कुछ फैसले लेते हैं। लेकिन काफी बार ऐसा भी होता है कि जिसे पेरेंट्स भलाई समझते हैं वो आगे जाकर बच्चों के लिए किया गया गलत फैसला साबित होता है। सोशल मीडिया पर जिम एम्ब्रोस नाम के शख्स ने अपने साथ हुई ऐसी ही घटना शेयर की।

जिम ने अपने जीवन के पहले 19 साल लड़की 'क्रिस्टी' (Kristi) के रूप में बिताए। लुइसियाना में जन्मे जिम को बचपन से ही लड़की की तरह पाला गया था। उसे लड़कियों की ड्रेस पहनाई गई। उसके बाल लड़कियों की तरह रखे गए। यहां तक कि खेलकूद में भी उसे लड़कियों के गेम्स में शामिल किया गया। लेकिन वयस्क होते-होते उसे ये सब गलत लगने लगा। जब सच्चाई सामने आई तो जिम को झटका लगा। इसके बाद जो सच सामने आया, उसने उसकी दुनिया ही बदल दी। किशोरावस्था में जिम को हमेशा लगा कि कुछ गलत है। वे टॉम्बॉय थीं, लड़कियों के कपड़े और व्यवहार से असहज रहती थीं। 19 साल की उम्र में सच्चाई सामने आई। जन्म के समय उनके इंटरसेक्स कंडीशन के कारण माता-पिता ने डॉक्टरों की सलाह पर सर्जरी करवाई और उन्हें लड़की बना दिया। परिवार ने यह राज छिपाए रखा। जवानी में हॉर्मोनल बदलाव और अपनी पहचान पर सवाल उठने पर सच्चाई खुली। जिम ने अपनी कहानी शेयर कर इंटरसेक्स बच्चों के साथ होने वाले जबरन सर्जरी के खिलाफ आवाज उठाई है। यह मामला मेडिकल एथिक्स और जेंडर असाइनमेंट पर बड़ी बहस छेड़ रहा है।

अंदर थे लड़कों के हार्मोन्स: डॉक्टरों ने जांच के दौरान जिम को बताया कि जिम इंटरसेक्स पैदा हुए थे उनके जननांग अस्पष्ट थे। जन्म के तुरंत बाद माता-पिता ने डॉक्टरों की सलाह पर सर्जरी करवाई और उन्हें लड़की बना दिया। यह फैसला उस समय आम था, क्योंकि मेडिकल कम्युनिटी मानती थी कि बच्चे को जल्दी एक जेंडर असाइन कर देना बेहतर है। परिवार ने यह राज छिपा कर रखा और जिम को कभी नहीं बताया। जवानी में हॉर्मोनल बदलाव, मासिक धर्म ना आने और अपनी बॉडी को लेकर बढ़ते सवालों के कारण जिम ने जांच कराई। रिपोर्ट्स में पता चला कि वो बायोलॉजिकली XY क्रोमोसोम वाले थे, लेकिन सर्जरी के कारण लड़की की तरह पले। यह खुलासा उनके लिए सदमे की तरह था। जिम ने अपनी कहानी सार्वजनिक की और इंटरसेक्स बच्चों पर होने वाली जबरन सर्जरी के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि जन्म के समय जेंडर असाइनमेंट सर्जरी बच्चे के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। बच्चे को बड़ा होने के बाद खुद फैसला करने का अधिकार होना चाहिए।

न्यूज विंडो

अहिरवार समाज ने मनाई रविदास जयंती, पुष्पांजलि की अर्पित

इटारसी। अहिरवार समाज संघ के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वी जयंती ग्राम मरोड़ा में श्रद्धा के साथ मनाई गई, कार्यक्रम की शुरुआत संत रविदास के तेल चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहिरवार समाज संघ युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर अजय अहिरवाल ने कहा कि रविदास जी का प्रसिद्ध वचन मन चंगा तो कठौती में गंगा हैं, और कहा कि सच्ची भक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि मन की पवित्रता में बसती है। उन्होंने आगे कहा कि संत रविदास जी सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के महान प्रतीक थे। उन्होंने सैकड़ों वर्षों पहले जात-पात और ऊँच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर सनातन समाज को एकता और भाईचारे का संदेश दिया,सभी उपस्थित ग्रामीण जनों को आयोजक डॉ अतुल अहिरवार ने संत शिरोमणि रविदास की फोटो वितरित की, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से, कृष्णा चौधरी , कन्हैयालाल बामने, विवेक पथौरिया, बृजेश बामने, प्रमोद कलोसिया,किशन अहिरवार जी, रामविलास अहिरवार, रामदास अहिरवार,हरीश अहिरवार,सोनू अहिरवार और ग्रामीण जन उपस्थित हुए, कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ अतुल अहिरवार ने किया व आभार नीतीश अहिरवार ने व्यक्त किया।

विद्यालय में छात्राओं ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति, दिए पुरस्कार

गंजबासौदा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंदा का सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सदस्य निर्वेश मीणा, सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम अहिरवार,वरिष्ठ नेता डॉ सूरज प्रकाश श्रीवास्तव, सुरेश दुबे, प्रेमनारायण साहू, इलियास भाई, राहुल राय, धनसिंह कुशवाह, तहसीलदार ऋतु राय, प्राचार्य अभय कुमार शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उपस्थित अतिथियों का छात्र संघ की ओर से अध्यक्ष महक सेन व मयंक साहू ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय में पहली बार थीम आधारित 13 सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें स्वच्छता, लोक नृत्य, नारी सम्मान, बाल विकास, स्कूल चलें हम, देशभक्ति, रामायण, नशामुक्ति, नैतिक शिक्षा आदि प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के विद्यार्थी जब रामायण का मंचन कर रहे थे तो इस प्रस्तुति से प्रभावित होकर कार्यक्रम में उपस्थित तहसीलदार रितु राय मंच छोड़कर दर्शकों में नीचे बैठे बच्चों के बीच जाकर बैठ गई। तहसीलदार को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे, बच्चों ने उनके साथ सेल्फी ली और सभी ने उनकी इस सरलता की सराहना की। डॉ. सूरज श्रीवास्तव व सुरेश दुबे ने कहा कि हम लोगों ने क्षेत्रीय सांसद व कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक हरिसिंह रघुवंशी के माध्यम से मुख्यमंत्री से त्योंदा में डिग्री कॉलेज तथा सांदीपनि विद्यालय खोलने की मांग की है। इलियास भाई ने बच्चों को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षक खिलान सिंह अहिरवार का सम्मान किया गया तथा वर्ष भर चली विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक व खेल गतिविधियों में विजेता रहे 452 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र व ट्रॉफी वितरित किए गए।

कांग्रेस संगठन ने एसडीएम कार्यालय में नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

पुराने बस स्टैंड से बस स्टॉपेज हटाने का विरोध, कहा-जनता को कर रहे परेशान

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुरानी इटारसी में छत्रपति शिवाजी बस स्टैंड पर बस स्टैंड ट्रांसफर करने और नीमबाड़ा के पास स्थित पुराने बस स्टैंड से बसों का स्टॉपेज टोटल बंद करने के निर्णय का चौतरफा विरोध शुरू हो गया है। जिला कांग्रेस, नगर कांग्रेस और कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस मामले को लेकर एसडीएम कार्यालय परिसर के सामने पहले जमकर नारेबाजी की और फिर एसडीएम नीलेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पुराने बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए पिक एंड ड्रॉप की सुविधा चालू करने की मांग सहित अन्य मांगें रखी। कांग्रेस संगठन ने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर सुविधा के नाम लेकर जनता को परेशान कर रहे हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय ने कहा कि वर्षों से पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में दुकानदार अपना व्यवसाय कर रहे हैं। पहले से ही ऑनलाइन खरीदारी के कारण व्यापारी परेशान हैं, ऐसे में बस स्टैंड का स्थानांतरण उनके लिए भारी नुकसान का कारण बनेगा। यह निर्णय जनविरोधी है। कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष गजानंद तिवारी ने कहा कि इस फैसले से दुकानदारों और बस मालिकों दोनों में भारी रोष है। उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन ने निर्णय वापस नहीं लिया तो मजबूरन बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने कहा कि हजारों लोगों को पुराने वाले बस स्टैंड से आवागमन में सुविधा थी। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पास होने से लोगों को दिक्कतें नहीं आती थी। अब लोगों को बहुत परेशान होना पड़ रहा है। ऑटो चालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के इस निर्णय से गरीब और आम जनता को खासा परेशान होना पड़ रहा है।

एसडीएम बोले- चर्चा कर लेंगे निर्णय

कांग्रेस संगठन की मांग पर एसडीएम नीलेश शर्मा ने कहा कि इससे पहले भी बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए पिक एंड ड्रॉप की सुविधा शुरू की गई थी मगर उस सुविधा का बस संचालक दुरुपयोग करने लगे थे। बस स्टैंड पर काफी टाइम के लिए हर कहीं बसें खड़ी करने की शिकायतें भी सामने आ रही थी इसलिए इस बार उस सुविधा को खत्म किया गया है। अब अगर लोगों को इस सुविधा के हटने से परेशानी आ रही है तो जल्द ही सभी जिम्मेदार पक्षों के साथ बैठकर इस विषय पर चर्चा की जाएगी। चर्चा के बाद ही इस विषय पर निर्णय लिया जा सकेगा। एसडीएम नीलेश शर्मा ने बताया कि कांग्रेस संगठन ने जो मांगे रखी हैं उन पर तत्काल कोई निर्णय लेना संभव नहीं है। सभी संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर इस विषय पर चर्चा करेंगे। उस चर्चा में जो तय होगा उसके आधार पर ही निर्णय लिया जाएगा।

रोजगार आजीविका की दी जानकारी, कहा-कोई न रहे योजनाओं से वंचित

इटारसी। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी की विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका (ग्रामीण) अधिनयम 2025 को लेकर महत्वपूर्ण बैठक अभिनंदन मैरिज हॉल में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जयकिशोर चौधरी ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) - वी.बी.जी-राम-जी अधिनियम 2025 की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम का उद्देश्य देश के गांवों, गरीबों, किसानों एवं जरूरतमंद परिवारों का चहुमुखी विकास करना है तथा ग्राम स्तर पर स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना है। हर हाथ को काम के संकल्प के अंतर्गत अब प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान की गई है, जबकि मनरेगा अधिनियम में यह गारंटी 100 दिनों की थी। मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो ने कहा कि वी.बी.जी-राम-जी योजना देश के प्रत्येक गांव की तस्वीर बदलने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। यह योजना गरीबों, कृषि मजदूरों एवं किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है और गांवों के समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर मंडल संयोजक विजय चौरे, मंडल सह-संयोजक श्रीमती रीना डोंगरे,अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू बकोरिया ,पार्षद जिम्मी कैथवास, कुंदन गौर,मंडल उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव,विपुल चौधरी, सौरभ व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन संपन्न

युवाओं को कौशल विकास, रोजगारपरक व उद्योग से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के इकोसिस्टम प्रोग्राम के अंतर्गत शासकीय लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) कॉलेज में एक भव्य एवं सुव्यवस्थित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उद्योग जगत से जोड़ना रहा।

इस कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 8 प्रतिष्ठित कंपनियों ने सहभागिता की, जिनमें भोपाल, मंडीदीप, पीथमपुर तथा सानंद (गुजरात) जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की कंपनियां शामिल रहीं। विभिन्न कंपनियों द्वारा विद्यार्थियों का साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। इस आयोजन में शासकीय एलबीएस कॉलेज के कुल 260 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें से 107 विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों के चेहरों पर भविष्य को लेकर उत्साह, आत्मविश्वास एवं संतोष स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस अवसर पर आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इकोसिस्टम प्रोग्राम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण एवं उद्योग से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रकार के कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम युवाओं के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज प्रशासन द्वारा इस सफल आयोजन हेतु आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के इकोसिस्टम प्रोग्राम का आभार व्यक्त किया गया।

चोरों ने सूने आवास सहित कई दुकानों में दिया चोरी की वारदात को अंजाम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर में अलग अलग स्थानों पर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी को अंजाम दिया है। बरेठ रोड स्थित एक सूने आवास से लाखों के गहने और नगदी रुपए चोरी का मामला सामने आया है तो वहीं पचमा रोड कर्मा देवी चौराहे पर कई दुकानों के ताले भी टूटे है। जानकारी अनुसार वार्ड नं 7 निवासी मोहनबाबू नागवंशी परिवार सहित किसी आयोजन में शामिल होने भोपाल गए हुए थे घर पर ताला लगा हुआ था। जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोर रात्रि में उनके घर में दाखिल हो गए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर का ताला टूटा होने की जानकारी पड़ोसियों ने दी जिसके बाद मकान मालिक मंगलबार की सुबह पंजाबमेल से बासौदा पहुंचे और चोरी की जानकारी सिटी थाना पुलिस को दी। ओर चोरी की घटना के संबंध एक आवेदन थाना प्रभारी को दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। नागवंशी ने बताया अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर से 8 ग्राम सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल, एक मोबाइल मिक्सी सहित 20 हजार रु नगद चुरा कर ले गए जो उनके बच्चों की फीस के लिए रखे हुए थे। मोहन ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी भारत माता कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ती है जिसकी फीस भरने के लिए पैसे रखे हुए थे। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला जांच में लेकर कार्यवाही शुरू की। वहीं दूसरी चोरी की घटना मां कर्मा देवी चौराहे के पास रखी दुकान ओर गुमठियों में रात्रि के समय अज्ञात चोरों ने दुकानों के ताले तोड़ने ओर चोरी की कोशिश की गई जिसमें कुशवाह टी स्टॉल से पान मसाले ओर गुटका के पाउच सहित 2 हजार नगद चुरा ले गए।

नारोलिया ने संसदीय समिति में उठाई नगर निगमों में रिक्त पद भरने की मांग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संसद भवन एनेक्सी में आयोजित आवास एवं शहरी कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में शहरी स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक की अध्यक्षता सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने की, जिसमें राजस्व सृजन, बजट प्रबंधन और प्रशासनिक क्षमता जैसे विषयों पर चर्चा हुई।सांसद नारोलिया ने विभिन्न राज्यों के नगर निगमों में ग्रुप और स्वीकृत पदों पर लंबे समय से चली आ रही रिक्तियों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इन रिक्तियों के कारण शहरी विकास योजनाओं का निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी प्रभावित हो रही है।समिति के समक्ष आग्रह करते हुए उन्होंने समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने, न्यूनतम स्टाफिंग मानकों को लागू करने तथा क्षमता निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सशक्त मानव संसाधन के बिना शहरी विकास के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करना असंभव है

खेत में नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी तहसील के ग्राम कडमाल में नाबालिग लड़की से रेप करने वाले फरार आरोपी गौतम पिता पुनमचंद्र उम्र 21 साल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं, आरोपी पिछले 8 दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी धार छोडकर गुजरात भागने की फिराक में गांव के टीनशेड पर बस का इंतजार कर रहा था, पुलिस टीम सक्रिय हुई व आरोपी को घेराबंदी करते हुए पकडा गया। हालांकि आरोपी गौतम ने पुलिस जवानों को देखकर भागने का प्रयास भी किया था। थाने की कार्यवाही पूरी होने के बाद पुलिस जल्द ही आरोपी को कोर्ट के समक्ष पेश करेगी।

दरअसल निसरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम कडमाल स्थित पुलिया के पास मक्का के खेत में नाबालिग से 8 दिन पहले नाबालिग से रेप किया था। 30 जनवरी को पीडिता परिजनों के साथ थाने पर पहुंची थी। पीडिता के अनुसार आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर खोटा काम किया व खेत में ही छोड़कर चला गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन में महिला संबंधी प्रकरणों की विवेचना के दौरान एसडीओपी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में फरार आरोपी की गिरफतारी को लेकर एक टीम गठित की गई। चौकी प्रभारी रवि वास्के के अनुसार टीम लगातार प्रयास के दौरान मुखबिर के माध्यम से एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण में फरार आरोपी कड़माल में आया हुआ है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति काले रंग के शर्ट पहना लड़का पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे टीम के सदस्य द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा उसका नाम पता पूछते उसने अपना नाम गौतम पिता पुनमचंद फुलमाली होना बताने पर अभिरक्षा मे चौकी निसरपुर लेकर आए। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी राजेश यादव, उनि रवि वास्के चौकी प्रभारी निसरपुर,सउनि शंकरसिंह तोमर, सउनि भुवान चौहान,सउनि थानसिंह जमरा प्रआरक्षक प्रकाश, आरक्षक थानसिंह बड़ोले का विशेष योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नर्मदापुरम के नेताओं ने भेंट कर की विकास मुद्दों पर चर्चा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा तथा नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलकर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया है । इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नपा अध्यक्ष पंकज चौरे और विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव भी उनके साथ मौजूद रहे।भेंट के दौरान क्षेत्रीय विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने नर्मदापुरम जिले के विकास के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया है।

मेट्रो एंकर

हंसी के जीनियस ने मिटाया परीक्षा का फोबिया

स्ट्रेस आउट, उदय दहिया के बुंदेली अंदाज़ ने जीता दिल

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। इसी दर्शन को चरितार्थ करते हुए, जीनियस प्लानेट स्कूल ने बच्चों के मन से परीक्षा के बोझ को हटाकर उन्हें मानसिक सुकून देने की एक अनोखी पहल की। अवसर था स्टेंडअप कॉमेडियन और जिले के गौरव उदय दहिया के हास्य व्यंग्य कार्यक्रम का, जहां खिलखिलाते चेहरों के बीच स्ट्रेस (तनाव) कहीं ओझल होता नजर आया।

कार्यक्रम का आगाज मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो इस बात का प्रतीक था कि ज्ञान के प्रकाश के साथ मानसिक शांति भी उतनी ही आवश्यक है। स्कूल के संचालक मोहम्मद जाफर सिद्दीकी और प्रिंसिपल मनीता सिद्दीकी ने अतिथि उदय दहिया का आत्मीय स्वागत किया। विद्यार्थी हर्ष नितिन यादव ने जब उदय दाहिया का परिचय दिया, तो उसमें आभार की वह भावना छिपी थी जो आज के समय में हर विद्यार्थी महसूस कर रहा है–कि काश ! कोई हमें इस तनाव से मुक्ति दिला दे।

बुंदेली अंदाज और बचपन की यादें को किया ताजा

जब उदय दहिया मंच पर आए तो उन्होंने अपनी चिर-परिचित बुंदेली शैली से समां बांध दिया। करिया के दद्दा और शक्ति कपूर की अठन्नी जैसे लतीफों ने न केवल बच्चों को गुदगुदाया, बल्कि उपस्थित गणमान्य नागरिकों को भी उनके बचपन के उन सुनहरे गलियारों में वापस ले गए जहां परीक्षा एक डर नहीं, बल्कि जीवन का एक हिस्सा मात्र थी। उनका हास्य मात्र मनोरंजन नहीं था। इस मौके पर समाज सेवी सुधीर गोठी, सुनील बाजपेई, बीके पटेल, और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को एक सामाजिक उत्सव का रूप दे दिया। स्कूल स्टाफ और अभिभावकों ने भी महसूस किया। ।

न्यूज विंडो

देवरी निजाम गांव में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

तेन्दूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत खमरिया कला के आश्रित देवरी निजाम में एक ठाकुर परिवार ने नवनिर्मित शिव मंदिर बनाकर उसमें भगवान शिव की शिवलिंग स्थापना की गई जहां बैलवाड़ा ग्राम से आए पंडित मुकेश तिवारी के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान श्रीमती आशा ठाकुर एवं पुत्र बबलू ठाकुर सोनू ठाकुर पुत्री गुड़िया ठाकुर एवं परिवार के अन्य सदस्यों एवं गांव के लोगों ने मिलकर भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का प्राण प्रतिष्ठा का विधिविधान से संपन्न कराया गया मंदिर परिसर में पहले हवन पूजन किया गया जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुआ देवरी निजाम में गांव में दिनभर धार्मिक उत्साह का माहौल रहा इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे एवं कन्या भोज भी कराया गया सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण किया गया प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गांव में चारों ओर हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

तेंदूखेड़ा नगर के होनहार पुत्र अभिषेक जैन बने डिप्टी कलेक्टर

तेंदूखेड़ा. नगर के लिए गर्व का विषय है कि नगर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता नेमचंद जैन के सुपुत्र अभिषेक जैन का चयन एमपीपीएससी परीक्षा वर्ष 2025 में डिप्टी कलेक्टर के प्रतिष्ठित पद पर हुआ है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उनके प्रथम नगर आगमन पर ते नगर में हर्षोल्लास का वातावरण रहा अभिषेक जैन के नगर आगमन पर प्रमुख मार्गों से डीजे, बैंड-बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह समाज के सभी वर्गों के नागरिकों, इष्ट-मित्रों एवं आत्मीयजनों द्वारा मंगल तिलक, पुष्पमालाएं, शाल-श्रीफल भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया तथा आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी गईं। इसके पश्चात जैन धर्मशाला में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर एवं क्षेत्र की सकल समाज के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी बधाइयाँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर अभिषेक जैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता, माता, नाना एवं मामा को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही यह मुकाम संभव हो सका। अभिषेक जैन की प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर तेंदूखेड़ा से दसवीं तक, 11वीं-12वीं की शिक्षा उत्कृष्ट विद्यालय तेंदूखेड़ा से हुई। उन्होंने रानी होलकर महाविद्यालय, इंदौर से स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की तथा एमपीपीएससी की कोचिंग भी इंदौर से ही की। उनका प्रशासनिक सफर अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। वर्ष 2021 में वित्त विभाग में लेबर ऑफिसर, वर्ष 2022 में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वर्ष 2024 में डीएसपी, तथा वर्ष 2025 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित होकर उन्होंने निरंतर परिश्रम का उदाहरण प्रस्तुत किया है। अभिषेक जैन ने स्पष्ट लक्ष्य के साथ कड़ी मेहनत कर न केवल अपने माता-पिता, परिवार, जैन समाज बल्कि संपूर्ण नगर और सकल समाज का नाम रोशन किया है।

दुर्गावती टाइगर रिजर्व के जंगल में मौजूद है चीतों की पसंदीदा डिश

रेस्क्यू कर लाए जा रहे काले हिरणों को घास के खुले मैदान आ रहे पसंद, किया जा रहा है शिफ्ट

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के रूप में अपनी पहचान बना रहे नौरादेही अभ्यारण्य में लगातार में बाघों का कुनबा बढ़ रहा है तो वहीं यहां चीतों को भी शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। इससे पहले टाइगर रिजर्व से खबर ये आ रही है चीतों के आगमन से पहले उनके शानदार भोजन की व्यवस्था हो गई है। टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में बड़ी संख्या में काले हिरणों के झुंड विचरण करने लगे हैं। कई जिलों से रेस्क्यू कर इन काले हिरणों को यहां छोड़ा गया है। नौरादेही में साल 2017 में सिर्फ 5 काले हिरण थे, जो अब बढ़कर 153 हो गए हैं।

साल 1975 में जब नौरादेही के जंगलों को वन्यजीव अभ्यारण्य का दर्जा दिया गया था, उससे पहले ही ये इलाका भारतीय भेडिया और काले हिरणों के गढ़ के तौर पर जाना जाता था। यहां के विशाल घास के मैदानों के कारण काले हिरणों की संख्या काफी ज्यादा थी, लेकिन धीरे-धीरे यहां काले हिरण दिखना बंद हो गए 2014 में जब यहां विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हुई तो अभ्यारण्य के भीतर के गांव खाली होने लगे और घास के मैदान विकसित किए गए। अब यहां से ऐसी तस्वीरें सामने आई है, जो नौरादेही का इतिहास दोहराती नजर आ रही हैं। यहां घास के मैदानों के बीच काले हिरणों के झुंड नजर आने लगे हैं।

विस्थापन की प्रक्रिया चालू होने से टाइगर रिजर्व के भीतर के गांव खाली होने लगे। इन गांवों के लोग यहां खेती करते थे। ये खेती की जमीन टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा घास के मैदानों में तब्दील की गई. सितंबर 2023 में वन्य जीव अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व का दर्जा दे दिया गया और विस्थापन की प्रक्रिया और तेज हो गई। आज नौरादेही टाइगर रिजर्व के ज्यादातर गांव खाली हो चुके हैं और खेती की जमीन को बड़े-बड़े घास के मैदानों में तब्दील किया जाने लगा है, इससे यहां शाकाहारी जानवरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नौरादेही के इतिहास को याद करते हुए यहां काले हिरणों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया और दूसरे टाइगर रिजर्व या संरक्षित वन जहां काले हिरणों की संख्या ज्यादा थी, वहां से यहां शिफ्ट किया गया।

जो काले हिरण आए हैं, वो ब्रीडिंग कर रहे हैं

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि काले हिरण का विशेष आवास खुले मैदान में होता है। हाल ही में यहां शाजापुर से रेस्क्यू किए गए हिरण यहां छोड़े गए। इसके पहले भी यहां काले हिरण रहे हैं। यहां जो काले हिरण आए हैं, वो ब्रीडिंग कर रहे हैं। उनके लिए बड़ा खुला मैदान है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि ये यहां अच्छी तरह से रहेंगे और अपनी संख्या भी बढाएंगे और एक बेहतर आवास के रूप में नौरादेही जाना जाएगा।

सबसे पहले एक बाघ और बाघिन को बसाया

टाइगर रिजर्व जब नौरादेही अभ्यारण्य हुआ करता था और वर्ष 2010 में अफ्रीकन चीतों को बसाने के लिए सर्वे किया गया था। उसी समय तय कर लिया गया कि भविष्य में यहां अफ्रीकन चीते बसाए जाएंगे। इसी योजना के तहत 2014 में टाइगर रिजर्व में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू की गई. विस्थापन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद 2018 में पहले नौरादेही वन्य जीव अभ्यारण्य को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण परियोजना में शामिल किया गया। यहां पर एक बाघ और बाघिन को बसाया गया।

इलाज कराकर लौट रहे बुजुर्ग की बस में मौत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह से तेंदूखेड़ा बस से आ रहे 53 वर्षीय गुटटी आदिवासी की तेजगढ़ के पास बस में ही मौत हो गई। मृतक के बेटे हल्ले ने बताया कि हम लोग नगर के वार्ड क्रमांक 8 विधानगर में निवास करते हैं, पिता गुटटी का श्वास बढ़ने का इलाज कराने दमोह जिला चिकित्सालय मंगलवार सुबह मोटरसाइकिल से ले गया था। लौटते समय मौसम ठंडा होने के कारण दोपहर 3.20 बजे की बुदेलखंड बस में बिठाया मैं मोटरसाइकिल से बस के पीछे चल रहा था। तेंदूखेड़ा पहुंचने पर मेरे पिताजी की मौत की जानकारी मिली। बुदेलखंड बस के कंडेक्टर सुरेश महराज ने बताया कि एक लड़का बुजुर्ग को बैठाने आया था तेंदूखेड़ा तक का किराया भी लड़के ने दिया जब बस में गुटटी बैठा था तो ठीक था हाथ में निडिंल लगी हुई थी मैनें पूछा तो बताया कि इलाज कराने दमोह आएं थे लेकिन तेजगढ़ के पास उसकी हालत बिगड़ गई, जबलपुर जा रही प्रधान आरक्षक नीतू बेन ने तुंरत ही सीपीआर दिया लेकिन गुटटी की जान नहीं बच सकी। बस को बिना रोके सीधे तेंदूखेड़ा ले जाया गया बस कंडेक्टर ने द्वारा पुलिस को सूचना दी गई साथ ही बस के तेंदूखेड़ा पहुंचने पर आरक्षक विशाल बेन के द्वारा गुटटी को बस से उतारकर अस्पताल ले जाया गया। जहां डांक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया

मंदिर परिसर में दो बाघ शावकों को घूमते देखा, ग्रामीणों में दहशत

सिवनी। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के दक्षिण वन मंडल के अंतर्गत गोरखपुर में ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में दो बाघ शावकों को घूमते देखा। रात को जैसे ही शावकों की मौजूदगी की सूचना ग्रामीणों को मिली ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को जानकारी दी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए दक्षिण सिवनी वन मंडल एवं पेंच टाइगर रिज़र्व का संयुक्त वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। वन अमले ने सबसे पहले घटनास्थल पर एकत्र भीड़ को नियंत्रित किया, ताकि शावकों पर मानवीय दबाव न पड़े। प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान पेंच टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर ने बताया कि दोनों बाघ शावक लगभग 7 से 8 महीने के हैं। वे अत्यधिक भयभीत और शारीरिक रूप से कमजोर दिखाई दे रहे है। इसलिए सावधानी रखना बहुत ही जरूरी है।

वन परिक्षेत्र झलोन अंतर्गत चौकी कक्ष की दुर्दशा छह माह से लटका ताला, लगा गंदगी का अंबार

तेंदूखेड़ा। वन परीक्षेत्र झलोन अंतर्गत ग्राम सेहरी में निर्मित वन चौकी की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। यह चौकी पिछले लगभग छह महीनों से ताला बंद पड़ी है, जिससे इसका उद्देश्य ही निष्फल होता नजर आ रहा है। वर्तमान में चौकी परिसर में पशुओं द्वारा गोबर किया जा रहा है, चारों ओर गंदगी फैली हुई है और भवन की हालत दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौकी में आज तक नियमित सफाई नहीं हुई, न ही यह स्पष्ट है कि नाका अथवा चौकी की साफ-सफाई की जिम्मेदारी किसकी है। कई महीनों से ताला बंद होने के कारण यह भवन अब असामाजिक तत्वों और पशुओं का अड्डा बनता जा रहा है, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। गौरतलब है कि शासन द्वारा इन चौकियों का निर्माण जंगलों की सुरक्षा, अवैध कटाई पर रोक, वन्यजीव संरक्षण एवं वनरक्षकों के ठहराव की सुविधा के लिए किया गया था। लेकिन जब चौकी ही बंद पड़ी हो और उसकी देखरेख न हो, तो जंगलों की प्रभावी सुरक्षा कैसे संभव होगी—यह एक गंभीर प्रश्न है। चौकी भवन की दीवारें जर्जर होती जा रही हैं, परिसर में झाड़ियाँ उग आई हैं और साफ-सफाई के अभाव में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

रेत खदान को लेकर हुआ विवाद, ग्रामीणों का आरोप-गुंडे कर रहे कब्जा

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिला रेत खदानों के कारण हमेशा सुर्खियों में रहता है, जहां कंपनियों के ठेके और स्थानीय विवाद आम हैं। कजलास रेत खदान को लेकर ग्रामीणों और पवार मेक कंपनी के बीच तनाव बढ़ गया है।ग्रामीणों के आरोप है कि कंपनी के गुंडे जबरदस्ती खदान पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने रात में एक ट्रैक्टर में आग लगा दी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो इस हिंसा को दर्शाते हैं। वीडियो देखकर एक पल तो ऐसा लगा रहा है कि यूपी -बिहार है लेकिन हकीकत मे ये वीडियो कजलास के है जहाँ रेत को लेकर ग्रामीण और रेत कंपनी आमने सामने हैं। मामले मे ग्रामीणों ने एसपी - एडिशनल एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।वही कंपनी के अनुसार, उनके कर्मचारी वहा वे रॉयल्टी काउंटर शुरू करने गए थे, लेकिन ग्रामीणों ने हंगामा कर गाड़ियों पर पथराव किया। अभी तक कंपनी ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। कंपनी से जुड़े लोगो का कहना है कि ग्रामीण वहा से रेत का अवैध कारोबार कर रहे है रोजाना 30-36ट्राली रेत चोरी कर रहे हैं। यह विवाद रेत के कारोबार पर नियंत्रण को लेकर तेज हो गया है। जानकारी के अनुसार कजलास रेत खदान करीब दो साल से बंद है बाबजूद इसके यहां से अबैध खनन किया जा रहा है।

पांढुर्णा में पं. शास्त्री के मार्गदर्शन में दो बेटियों के होंगे हाथ पीले

पांढुर्णा। बागेश्वर धाम के महाराज पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मार्गदर्शन में होने वाले भव्य सामूहिक कन्या विवाह समारोह में इस साल पांढुर्णा और छिंदवाड़ा जिले की दो बेटियों के हाथ पीले होंगे,आगामी 15 फरवरी को होने वाले इस विशाल आयोजन में देशभर की कुल 300 कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। इन बेटियों का चयन बागेश्वर धाम सरकार के निर्देशों पर पूरी जांच-पड़ताल के बाद किया गया है। जिले के बागेश्वर धाम वनवासी शिष्य मंडल (जाम सांवली धाम) ने उन परिवारों की तलाश की थी जो अत्यंत निर्धन हैं। मंडल के सदस्य नरोत्तम पटेल ने बताया कि छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले से कुल पांच लड़कियों के नाम भेजे गए थे, जिनमें से दो पात्र बेटियों का चयन इस महा-आयोजन के लिए हुआ है।

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत | कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP GOVERNMENT OF INDIA | PMKVY PRADHAN MANTRI KAUSHAL VIKAS YOJANA

विकसित भारत की यात्रा में साझेदारी के लिए उद्योग/उद्योग संघों/एसएमई से प्रस्ताव के लिए आमंत्रण

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार, 16 हाई–डिमांड वाले क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

इनमें **सेमीकंडक्टर, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, रत्न एवं आभूषण, पर्यटन** सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

उद्योग/उद्योग संघ/एसएमई के पास निम्नलिखित में प्रासंगिक अनुभव होना चाहिए:

- भविष्य–उन्मुख और उभरते क्षेत्रों में विशेषीकृत प्रशिक्षण प्रदान करना'
- सशक्त उद्योग साझेदारी एवं बेहतर प्लेसमेंट परिणाम
- देश के दूर दराज इलाकों तक पहुँच, खासकर प्राथमिक क्षेत्रों में
- विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से प्रशिक्षण की अच्छी गुणवत्ता बनाए रखना

CBC 63101/11/0011/2526

इच्छुक उद्योग/उद्योग संघ/एसएमई निम्न लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं:
www.skillindiadigital.gov.in
प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि: 13 फरवरी, 2026

वेंटिलेटर सपोर्ट और टीमवर्क ने दी दो मरीजों को नई जिंदगी

सागर। दोपहर मेट्रो

बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) के एनेस्थीसिया विभाग ने अपनी कार्यकुशलता और टीमवर्क से चिकित्सा जगत में एक मिसाल पेश की है। हाल ही में शुरू हुए एनेस्थीसिया आईसीयू के परिणाम बताते हैं कि यदि डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ का जज्बा मजबूत हो, तो गंभीर से गंभीर मरीज को भी मौत के दरवाजे से वापस लाया जा सकता है।

अस्पताल प्रशासन ने हाल ही में दो ऐसे मामले साझा किए, जहाँ मरीजों की हालत बेहद चिंताजनक थी, पहला मामला (देवरी से रेफर मरीज) जुबैदा (परिवर्तित नाम) को डिलीवरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव के कारण बीएमसी रेफर किया गया था। अस्पताल पहुँचते समय वह हेपेटिक इंसेफेलोपेथी (लिवर की खराबी के कारण बेहोशी) की स्थिति में थी। उन्हें तत्काल सीपेप वेंटिलेटर पर लिया गया। टीम

के प्रयासों से मात्र तीन दिनों में उनकी स्थिति में सुधार आया और अब वह पूर्णतः स्वस्थ होकर चल-फिर रही हैं। दूसरा मामला (दमोह से रेफर मरीज)- सरस्वती रानी (नाम परिवर्तित) को अनियंत्रित बीपी, मिर्गी के झटके और गहरी बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया था। उन्हें दो दिनों तक कृत्रिम सांस पर रखा गया, जिसके बाद उनकी स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सर्वेश जैन ने इस सफलता का श्रेय अपनी टीम को दिया है। जूनियर डॉक्टर्स किसी भी अस्पताल की रीढ़ होते हैं। डॉ. मोहम्मद इलयास और डॉ. दीपक गुप्ता के नेतृत्व में जूनियर डॉक्टर्स की टीम ने जो लगन दिखाई, उसी का परिणाम है कि आज हमारे आईसीयू के नतीजे इतने शानदार आ रहे हैं। बीएमसी डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने कहा कि गंभीर मरीजों के इलाज में वेंटिलेटर की भूमिका केवल सांस देना नहीं है, बल्कि यह शरीर को वह समय प्रदान करता है जिसमें दवाएं असर कर सकें और शरीर खुद को हील (स्वस्थ) कर सके। इन दोनों ही मामलों में स्त्री रोग विभाग के डॉक्टरों ने प्राथमिक देखभाल सुनिश्चित की, जिसके बाद आईसीयू टीम ने कमान संभाली।

कार्यालय नगर परिषद बुढ़ार जिला-शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक :- 201/ई-टेण्डरिंग/2026 बुढ़ार दिनांक 02.02.2026

आनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की आनलाइन निविदा https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

Tender No.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
2026_UAD_479621_1	Atariya tola pond Pole Sifting Work at w.n.06 purhar	350000.00	3500.00	2000.00	1 माह

1. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 03.02.2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 17.02.2026 को सांय 18.00 बजे तक निर्धारित है।
2. ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 03.02.2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 17.02.2026 को सांय 18.00 तक निर्धारित है।
3. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
4. अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर देखे जा सकते है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद् बुढ़ार
जिला-शहडोल म.प्र.

अंडर-19 विश्व कप: सेमीफाइनल में आज भारत कर रहा है अफगानिस्तान का सामना

अब तक शानदार रहा टीम इंडिया का सफर, वैभव पर टिकी हैं नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने अब तक पांच बार खिताब अपने नाम किया है- 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में भारतीय टीम चैम्पियन बनी थी। अब टीम इंडिया की नजर रिकॉर्ड छठे खिताब की ओर बढ़ने पर टिकी है और सेमीफाइनल में जीत इस दिशा में एक और मजबूत कदम होगी। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में बेहद संतुलित और दमदार रहा है। ग्रुप स्टेज से लेकर सुपर सिक्स तक भारत ने अपने सभी पांच मुकाबले जीते हैं। खास तौर पर सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रन की जीत ने टीम का आत्मविश्वास और बढ़ा दिया। बल्लेबाजी और गेंदबाजी। दोनों ही विभागों में भारत ने विपक्षी टीमों पर दबदबा बनाया है, जो उसे नॉकआउट मुकाबले में बढ़त दिलाता है।

अफगानिस्तान का ऐसा रहा है प्रदर्शन- अफगानिस्तान का अभियान भी सराहनीय रहा है। टीम ने अपने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं। उसकी एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई थी। अफगान टीम ने जुझारूपन दिखाया है और वह भारत को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगा। हालांकि अनुभव, गहराई और संयोजन के लिहाज से भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।

भारतीय बल्लेबाजी की ताकत

विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज से सेमीफाइनल में भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार शुरुआत दिलाई है। पांच मैचों में 196 रन और दो अर्धशतक उनके नाम हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट चाहेगा कि वह इस बार बड़ी पारी में बदलें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक्स-फैक्टर साबित हुए हैं। उन्होंने 172 रन बनाए हैं और ग्रुप स्टेज में जिम्बाब्वे के खिलाफ टूर्नामेंट का अब तक का इकलौता शतक (109 नाबाद) जड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड, ओलिवर का प्रयास रहा नाकाम

बुलवायो। कप्तान ओलिवर पीक का शानदार शतक भी ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में हार से नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 27 रन से ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान थॉमस रेव की शतकीय पारी से 50 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओलिवर अंत तक टिके रहे, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी और ऑस्ट्रेलिया की टीम 47.3 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड का अब फाइनल में सामना भारत और अफगानिस्तान के बीच बुधवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने चार बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है, लेकिन वह अपनी पांचवीं ट्रॉफी जीतने से चूक गई।

ओलिवर का शतक

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सधी हुई शुरुआत की, लेकिन 50 रन पूरे करने से पहले ही उसने दो विकेट गंवा दिए। हालांकि, नितेश सैमुअल ने 47 रन की पारी खेली। लेकिन ओलिवर अंत तक टिके रहे। ओलिवर ने 88 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाए। वहीं, आर्यन शर्मा ने 34, विल ने 15, हेडन सिचलर ने 15 और स्टीवन होगन ने तीन रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सेबास्टियन मोर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडन और रल्फी एलबर्ट को दो-दो विकेट मिले, जबकि एलेक्स फिंच और फरहान अहमद को एक-एक सफलता मिली।

आईसीसी ने पाकिस्तान को सुना दिया फाइनल अल्टीमेटम!

वर्ल्ड कप से बाहर होने की आ सकती है नौबत कानूनी लड़ाई का भी करना पड़ सकता है सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार की स्थिति में उसे टी20 वर्ल्ड कप के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी मंगलवार को [illegible] के एक सूत्र ने दी।

पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अब तक उसने आईसीसी को आधिकारिक रूप से इसके कारणों की जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी पाकिस्तान की पूरी सालाना रेवेन्यू शेयर राशि रोक सकता है, जो लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, और उस रकम से ब्रॉडकास्टर को भुगतान किया जा सकता है।

पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि हालांकि बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नक़वी ने पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ को इस मुद्दे पर जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी, लेकिन इसके बावजूद बोर्ड गंभीर परिणामों के लिए खुद को तैयार मान रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हो जाएगा तबाह

सूत्र ने कहा, अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेलने के अपने फैसले से पीछे नहीं हटता है, तो उसे न केवल आर्थिक दंड का सामना करना पड़ेगा, बल्कि ब्रॉडकास्टर की ओर से मुकदमे का भी सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, आईसीसी की डिस्प्यूट रेजोल्यूशन कमेटी में जाने की कोशिश भी विफल होने की संभावना है। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो अपने ही बोर्ड के फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती। पीसीबी के एक अन्य सूत्र ने कहा, सरकारी निर्देश के बावजूद पीसीबी को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू (श्रीलंका) में खेल रहा है, जो उसकी अपनी मांग पर तय किया गया है, न कि भारत में। सूत्र ने आगे कहा, दूसरी बात यह है कि भारतीय सरकार ने भले ही अपनी टीम को पाकिस्तान जाकर खेलने की अनुमति नहीं दी हो, लेकिन उसने एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूट्रल वेन्यू पर पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से कभी नहीं रोका है, यहां तक कि मई में हुए संघर्ष के बाद भी।

क्या नक़वी बांग्लादेश चुनाव के बाद यू-टर्न लेंगे?

एक विचारधारा यह भी है कि मोहसिन नक़वी, जो पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं, बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने और मौजूदा सरकार की जगह लोकतांत्रिक सरकार आने के बाद अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। एक सूत्र ने कहा, नक़वी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा एक राजनेता हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम की भलाई से खास मतलब नहीं है। वह राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं और चुनाव के बाद अपना रुख बदल सकते हैं। सूत्र ने आगे कहा भारत के खिलाफ मैच से पहले अभी भी दो दिन का समय होगा और हालात बदल सकते हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो नक़वी जानते हैं कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अलग-थलग किया जा सकता है।

भारत के लिए मैच जीतने की कोशिश हमेशा जारी रहेगी,

पद्म श्री से सम्मानित होने पर बोले हिटमैन रोहित शर्मा, जताया आभार

दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पद्म श्री से सम्मानित होने पर आभार जताते हुए इसे अपने और परिवार के लिए एक खास पल बताया है। रोहित का कहना है कि वह भारत के लिए मैच जीतना जारी रखेंगे। %पद्म श्री% से सम्मानित होने को रोहित शर्मा ने खास पल बताते हुए उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जिन्होंने क्रिकेट करियर में उनका साथ दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दूरदर्शन स्पोर्ट्स की ओर से शेयर किए गए वीडियो में रोहित ने कहा, पद्म श्री मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत खास पल है। मैं इस सम्मान के लिए भारत सरकार का धन्यवाद करता हूं। मैं उन सभी लोगों का भी आभारी हूं, जिन्होंने मेरे करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने देश के लिए मैच और ट्रॉफियां जीतने की मेरी कोशिश हमेशा जारी रहेगी। धन्यवाद। जय हिंद। रोहित शर्मा ने साल 2007 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पिछले 19 वर्षों में वह तीनों फॉर्मेट में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्होंने बतौर बल्लेबाज और कप्तान, भारतीय क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीतकर सबसे छोटे फॉर्मेट में आईसीसी खिताब का लंबा इंतजार खत्म किया। अगले ही साल भारत को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भी जिताया।

रोहित का शानदार रहा क्रिकेट करियर

रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर में 67 मैच खेले, जिसकी 116 पारियों में 40.57 की औसत के साथ 4,301 रन बनाए। इस दौरान 12 शतक और 18 अर्धशतक लगाए। इसके अलावा, उन्होंने 282 वनडे मुकाबलों में 48.84 की औसत से 11,577 रन बनाए। इस दौरान 33 शतक और 61 अर्धशतक लगाए। रोहित शर्मा भारत की तरफ से 159 टी20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 5 शतक और 32 अर्धशतकों के साथ 4,321 रन जुटाए, जिससे वह इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। भले ही रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं, लेकिन वह अभी भी वनडे में टीम के लिए शानदार रन बना रहे हैं। फैंस चाहते हैं कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 खेलें।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

राधिका मदान संग रोमांस करेंगे अली फजल

लस्ट स्टोरीज 3 के टीजर ने मचाई हलचल, दिखेंगे नए स्टार्स

नेटफ्लिक्स इंडिया 2026 में ऑनलाइन स्ट्रीम होने वाली नई फिल्मों और सीरीज की अनाउंसमेंट कर दी है। इसके साथ ही, मेकर्स ने लस्ट स्टोरीज 3 की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर दी। इस पॉपुलर एंथोलॉजी की तीसरी किस्त में 4 शॉर्ट फिल्मों को दिखाया जाएगा। अलग-अलग स्टोरी के अलग डायरेक्टर्स होंगे। जिसमें विक्रमादित्य मोटवाने, शकुन बत्रा, किरण राव , और विशाल भारद्वाज का नाम शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि हर डायरेक्टर एक अलग कहानी बताएगा जो प्यार, इच्छा, पावर डायनामिक्स और सामाजिक हायरार्की को एक नए तरीके से देखेगी। लस्ट स्टोरीज 3 को रॉनी स्क्रूवाला और आशी दुआ ने प्रोड्यूस किया है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्लिप शेयर की है। जिससे इस सीजन की स्टार कास्ट का खुलासा हो गया है। विक्रमादित्य मोटवाने की फिल्म में राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। वहीं, शकुन बत्रा की कहानी में अली फजल और राधिका मदान की जोड़ी देखने को मिलेगी। किरण राव ने अपनी फिल्म के लिए गुरफतेह पीरजादा और नई एक्ट्रेस सना थम्पी को चुना है। इसके अलावा, विशाल भारद्वाज एक बार फिर अदिति राव हैदरी के साथ काम कर रहे हैं।

लस्ट स्टोरीज 3 में क्या होगा खास?

लस्ट स्टोरीज 3 चार ऐसी छोटी फिल्मों का कलेक्शन है. जो इमोशनली ऑडियंस पर गहरा असर छोड़ने के लिए तैयार हैं. मेकर्स के मुताबिक, यह सीजन रिश्तों की जटिलताओं, दबी हुई इच्छाओं और मानवीय संबंधों के बीच की इंटिमेसी को गहराई से एक्सप्लोर करेगा. इस एंथोलॉजी की सबसे बड़ी खूबी यही रही है कि यह महिलाओं की सेक्शुअलिटी और उनकी जरूरतों पर बिना किसी हिचकिचाहट के बात करती है, जिसे दर्शकों ने पिछले दो सीजन में काफी सराहा है.

मां मोना कपूर को याद कर इमोशनल हुए अर्जुन, कहा- जिंदगी बहुत बेरहम है

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपने जीवन के सबसे भावुक भरे पलों को साझा किया। मंगलवार को उन्होंने अपनी मां मोना कपूर की जयंती पर दिल छू लेने वाला पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया। इस पोस्ट में अर्जुन ने बताया कि हाल के दिनों में जिंदगी उनके लिए थोड़ी कठिन रही है, लेकिन उनकी मां की सिखाई हुई सीखें उन्हें हर मुश्किल का सामना करने की ताकत देती हैं।

अर्जुन कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करते रहते हैं। इस बीच उन्होंने अपनी मां की एक तस्वीर साझा की और साथ ही एक लंबा कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, %%जन्मदिन मुबारक हो मां, आज आपके जन्मदिन पर मुझे आपकी बहुत याद आ रही है। जिंदगी बहुत बेरहम हो गई है, लेकिन मैं हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, यह सब मैंने आपसे सीखा है कि जीवन में कठिनाइयों का सामना साहस, गरिमा और आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं, हमेशा उनसे निपटने को तैयार रहना चाहिए। अर्जुन ने कैप्शन में आगे लिखा, क्योंकि आपने मुझे सिखाया कि जिंदगी में मुश्किलों का सामना साहस के साथ करें, और हर हाल में सम्मान बनाए रखेंज्हम साथ में इसे पार करेंगे, आप और मैं। आपका प्यार करने वाला बेटा अर्जुन। अर्जुन की मां, मोना शौरी कपूर, का निधन 2012 में हुआ था। उनका देहांत 48 साल की उम्र में कैंसर और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों के चलते मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के कारण हुआ था।

मेट्रो बाजार

पाकिस्तान में बढ़ती अस्थिरता से चीन के सीपेक निवेश पर खतरा

रोम । पाकिस्तान में लगातार गहराती राजनीतिक और सुरक्षा अस्थिरता चीन के बहुचर्चित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपेक) के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि चीनी अधिकारी इस्लामाबाद तक सुरक्षित रूप से यात्रा नहीं कर पाते हैं, तो चीन को पाकिस्तान के साथ अपने जुड़ाव के दायरे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। फिलहाल इस्लामाबाद के सामने खड़ी हर नई चुनौती सीपेक की प्रगति के लिए खतरा बनती जा रही है और क्षेत्र में बीजिंग के अरबों डॉलर के निवेश को कमजोर कर रही है। इटली के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिकल स्टडीज (आईएसपीआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान पर अपनी पकड़ मजबूत करने तथा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी सीमाओं पर आर्थिक रूप से समृद्ध और स्थिर क्षेत्र बनाने की चीन की महत्वाकांक्षाएं हालिया घटनाक्रमों के चलते कठिन होती नजर आ रही हैं। रिपोर्ट में याद दिलाया गया कि अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था, जब दोनों देशों की साझा सीमा पर घातक मिसाइल हमले हुए। सितंबर 2021 में काबुल में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से ही पाकिस्तान और अफगान तालिबान के रिश्तों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, ÷करीब एक दशक पहले इस्लामाबाद पर 62 अरब डॉलर का दांव लगाने के बाद बीजिंग अब क्षेत्र में स्थिरता को लेकर बेहद चिंतित है।

एयरक्राफ्ट के बाद अब हेलिकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग में उतरेगा अदाणी ग्रुप

अहमदाबाद । अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी डिफेंस और एयरोस्पेस ने इटली की कंपनी लियोनार्डो के साथ मंगलवार को रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया। इसके तहत दोनों कंपनियां मिलकर भारत में हेलिकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकसित करेंगी। दोनों कंपनियों ने एक साझा बयान में कहा,÷इस ऐतिहासिक साझेदारी के अंतर्गत देश में हेलिकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक एकीकृत इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश की बढ़ती सैन्य मांग और भारत को हेलिकॉप्टर उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है।÷

बयान में आगे कहा गया कि भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष रूप से लियोनार्डो के एडवांस एडब्ल्यू169एम और एडब्ल्यू109 ट्रेकरएम हेलीकॉप्टरों को लक्षित करते हुए, यह सहयोग चरणबद्ध तरीके से स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं में वृद्धि करेगा और व्यापक पायलट प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

लियोनार्डो की विश्व स्तरीय हेलीकॉप्टर डिजाइन और इंजीनियरिंग दक्षता को अदाणी डिफेंस की संपूर्ण डिफेंस और एयरोस्पेस की विशेषज्ञता के साथ मिलाकर, यह पहल आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाती है और राष्ट्रीय रक्षा तैयारियों को मजबूत करती है और भविष्य में इसका नागर विमानन के क्षेत्र से लेकर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण तक विस्तार किया जा सकता है। यह इकोसिस्टम इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और रखरखाव सेवाओं में हजारों उच्च-कुशल नौकरियां पैदा करेगा और भारत को हेलीकॉप्टर उत्पादन के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

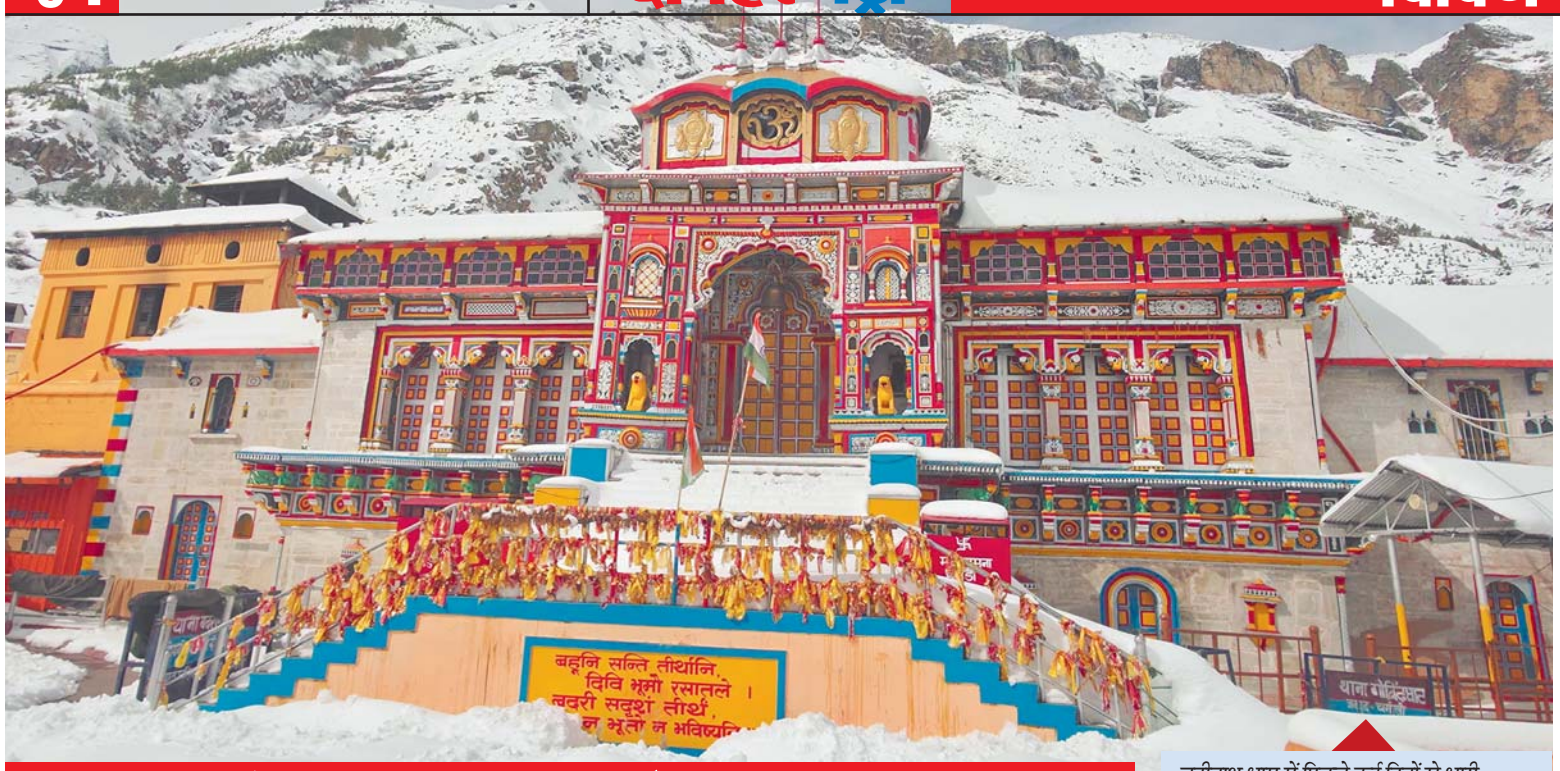

बद्रीनाथ धाम में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी जारी है। आज सुबह तक रुक-रुक कर हिमपात हुआ, जिससे धाम क्षेत्र में दो फीट तक बर्फ जम गई है। पूरी घाटी बर्फ की सफेद चादर से ढक गई है। विश्व प्रसिद्ध बद्री विशाल का मंदिर इस समय पूरी तरह बर्फ से ढका हुआ है। मंदिर परिसर, मुख्य द्वार और आसपास की पहाड़ियां भी बर्फ की मोटी परत से ढकी हैं। दूर-दूर तक केवल बर्फ की सफेद चादर ही दिखाई दे रही है। मंदिर की बर्फ से ढकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बद्रीनाथ में लगातार गिर रही है बर्फ, स्वर्ग-सा नजारा

तीनों धामों में बर्फबारी का दौर, दिल्ली में आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली/शिमला/देहरादून, एजेंसी

देश के उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में मौसम लगातार सर्द बना हुआ है। बर्फबारी के बाद उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

मैदानी राज्यों में उत्तर से आनी वाली हवाओं ने फिर से सर्दी बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब-चंडीगढ़, हरियाणा दिल्ली में सुबह से घना कोहरा छाया है। सुबह 6.30 बजे आदमपुर, अंबाला, कानपुर, बरेली, प्रयागराज, ग्वालियर में विजिबिलिटी जीरो रही। मौसम विभाग ने दिल्ली में बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। पड़ोसी राज्य हरियाणा और चंडीगढ़ में भी ऐसे ही हालात रहने की आशंका है। अगले 7 दिन में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तीन पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टरबेंस से प्रभावित रहेगा। यानी पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ओला-बारिश और सर्द हवाएं चलेंगी।वेस्टर्न डिस्टरबेंस भूमध्यसागर क्षेत्र से आने वाला पश्चिमी हवाओं का मौसमी सिस्टम है, जो उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कराता है।

हिमाचल प्रदेश: आज घने कोहरे का अलर्ट: प्रदेश में बारिश-बर्फबारी थमने के बाद आज 6 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से भी नीचे गिर सकती है। अगले 5 दिन मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। 6 फरवरी को चंबा और लाहौल स्पीति के अधिक ऊंचे क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी जरूर हो सकती है।

उत्तराखंड: मसूरी में ओले गिरे, 5 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट

प्रदेश में बारिश-बर्फबारी से राहत रहेगी, हालांकि देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, पौड़ी, नैनीताल में घना कोहरा छाया रहेगा। तीन धामों में को बर्फबारी हुई। मसूरी में आधे घंटे तक ओले गिरे। दो दिन तक मौसम सामान्य रहेगा। इसके बाद 6 फरवरी को बारिश के आसार है। उत्तर भारत के इलाकों में मौसम बदलने से प्रदेश में कोहरे का यलो अलर्ट है। बुधवार सुबह से ही पानीपत और कैथल समेत कई जिलों में जीरो विजिबिलिटी है। हालांकि अगले 4 दिनों तक राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि अभी सर्दी बनी रहेगी। रात के तापमान में भी गिरावट होगी।

मध्य प्रदेश में मौसम का यू-टर्न, 20 जिलों में कोहरा, कल से नया सिस्टम देगा दस्तक

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। पिछले चार दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती सिस्टम के असर से जहां बारिश और ओलों ने कहर बरपाया, वहीं अब प्रदेश के बड़े हिस्से घने कोहरे की गिरफ्त में आ गए हैं। बुधवार सुबह ग्वालियर-चंबल अंचल समेत करीब 20 जिलों में हल्के से मध्यम, तो कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहा।हालांकि आज बारिश या ओलावृष्टि का कोई अलर्ट नहीं है, लेकिन राहत ज्यादा दिन की नहीं मानी जा रही। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 5 फरवरी से एक और नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिससे एक बार फिर मावठे का दौर शुरू हो सकता है।

सुबह-सुबह धुंध ने थामी रफ्तार: भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज जैसे जिलों में दृश्यता काफी कम रही। कई जगह वाहन चालकों को धीमी रफ्तार से चलना पड़ा।

अगले दो दिन कैसा रहेगा मौसम: 5 फरवरी: ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज में घना कोहरा छाने के आसार हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर रहेगा।

6 फरवरी: अधिकांश जिलों में कोहरे की स्थिति बनी रहेगी, लेकिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है।

आतंकियों की खैर नहीं!

सुरक्षाबलों की ताबड़तोड़ कार्रवाई एनकाउंटर में दो आतंकी ढेर

उधमपुर, एजेंसी

जिला उधमपुर के पहाड़ी व जंगली क्षेत्र में एक बार फिर सुरक्षाबल और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। यह ऑपरेशन आज भी जारी रहा, इस बीच सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे।जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों को जिला के रामनगर और बसंतगढ़ के बीच ऊपरी व दुर्गम क्षेत्र चिगला बलोता में आतंकियों की संदिग्ध हलचल की सूचना मिली। इसके बाद सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाबला जब आगे बढ़ रहे थे तो शाम करीब चार बजे जगरेडा क्षेत्र के घने जंगल में छिपे आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबल ने भी इसका जवाब दिया और मुठभेड़ शुरू हो गई।

इसके बाद पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित करते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके पर बुला लिया गया। रात तक दोनों ओर से रुक-रुक कर गोली चलने की सूचना है। पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और पूरे आपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। इस बीच, सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए जा रहे इस संयुक्त अभियान को आपरेशन केया नाम दिया गया है। बता दें कि आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के मद्देनजर पहले से ही उधमपुर जिला के पहाड़ी व जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

शरद पवार का बड़ा बयान

एनसीपी के विलय मुद्दे पर पर फडणवीस को बोलने का हक नहीं

बारामती, एजेंसी

दोनों एनसीपी के विलय के मुद्दे पर एक बार फिर शरद पवार का बड़ा बयान सामने आया है। शरद पवार ने इस मुद्दे को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शरद पवार ने कहा है कि विलय की बातचीत में देवेंद्र फडणवीस नहीं थे तो इसलिए इस मुद्दे पर उन्हें बोलने का हक नहीं है।

वहीं सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने पर भी शरद पवार का बयान सामने आया। शरद पवार ने कहा कि हमें खुशी है कि सुनेत्रा पवार को डिप्टी सीएम बनने का मौका मिला। उनकी शपथ विधि हुई, इसकी खुशी है।

शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'महाराष्ट्र विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में मुझे 58 वर्ष हो गए हैं। इन 58 वर्षों में मैं कभी अनुपस्थित नहीं रहा। सदन में जाकर बजट सुनना चाहता था, लेकिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, इसलिए नहीं जा सका। कुछ संतोषजनक निर्णय लिए गए हैं। अमेरिका ने हमारे देश के संबंध में कुछ टैरिफ में कटौती की है। दो दिनों में भारत-अमेरिका संबंधों की तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी। निर्यात किया जा सकेगा या नहीं, यह चिंता का विषय है। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है। अगर वे बड़े पैमाने पर निर्यात शुरू करते हैं तो हमारी खेती पर असर पड़ेगा, ऐसा मुझे लगता है। 'अजित पवार स्मारक पर शरद पवार ने कहा, 'मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। स्मारक के बारे में किसी ने बताया, मैंने पढ़ा, लेकिन मुझे स्पष्ट जानकारी नहीं है। संस्था की जमीन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

न्यूज विंडो

फरीदाबाद में 25 व्यापारियों के ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापामारी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में इनकम टैक्स की टीम ने सुबह अलग-अलग ठिकानों पर छापामारी की। इस बड़ी कार्रवाई से जिले के बड़े व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। अभी इनकम टैक्स की टीम सभी जगहों पर जांच कर रही है।

बता दें कि इनकम टैक्स की टीम ने शहर में अलग-अलग लोगों के करीब 25 ठिकानों पर छापामारी की है। इनमें स्कूल संचालक, कोयला व्यापारी, सिक्योरिटी एजेंसी के मालिक, पेट्रोल पंप मालिक सहित अन्य के ठिकाने शामिल हैं। अभी इन सभी जगहों पर इनकम टैक्स की टीम जांच रही है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, मिरान ने छोड़ा पद

वॉशिंगटन ।अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने इसकी पुष्टि की।दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैंफेड एक गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है। लेकिन मिरान ने व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़ी नहीं थी, बल्कि बिना वेतन छुट्टी पर थे। इसी वजह से इस व्यवस्था पर सवाल उठे।

मुनव्वर राना की बेटी को तीन तलाक देकर घर से निकाला, मारपीट और दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज

लखनऊ, एजेंसी

मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी शिबा राना ने अपने वैवाहिक जीवन को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ना, लगातार शारीरिक व मानसिक हिंसा और तीन तलाक देने का आरोप लगाते हुए लखनऊ के सआदतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो बच्चों की मां शिबा राना का आरोप है कि शादी के बाद से ही उन्हें दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जाता रहा। कई बार उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और जान से मारने की कोशिश भी की गई। पीड़िता के अनुसार ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करता रहा।

शिबा राना के मुताबिक 9 अप्रैल 2025 को हुई घटना ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। उस दिन पति ने गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की। जब उनकी बहन आर्शिया राना उर्फ टीना उन्हें देखने ससुराल पहुंची, तो पति और अधिक उग्र हो गया। आरोप है कि इसी दौरान पति ने तीन बार तलाक कहकर उन्हें घर से धक्के मारकर निकाल दिया और दोनों मासूम बच्चों को कमरे में बंद कर दिया।

अमेरिका के साथ डील नहीं 'टील, उन्हें पूरा बाजार सौंपा: अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने हाल ही में अमेरिका के साथ हुए एक कथित समझौते को 'डील' न कहकर 'ढीलापन' करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सौदे के माध्यम से भारत ने अपना पूरा बाजार अमेरिका को सौंप दिया है। यादव ने इस मुद्दे को उठाते हुए विशेष रूप से डेयरी उत्पादों के आयात पर चिंता व्यक्त की, जिसका सीधा संबंध सनातन धर्म के रीति-रिवाजों और व्रतों से जोड़ा।अखिलेश यादव ने इस बात पर जोर दिया कि यदि डेयरी उत्पाद अमेरिका से आयात किए जाएंगे, तो यह सनातनियों और भारतीय लोगों के व्रत रखने की परंपरा पर सीधा असर डालेगा। उन्होंने कहा, 'सनातनियों को सोचना होगा कि उनका व्रत 'सनातन' कैसे रहेगा। अगर डेयरी प्रोडक्ट्स वहां से आएंगे, तो सनातनी और भारतीय व्रत कैसे रखेंगे? यह चिंता की बात है।

रिपोर्ट में खुलासा: ट्रायल कोर्ट के फैसलों में हो रही चूक

10 साल में हाई कोर्ट ने पलट दी 90% से अधिक फांसी की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड को लेकर एक चौंकाने वाला रुझान सामने आया है। नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 'स्क्वायर सर्कल क्लिनिक' द्वारा जारी 10 वर्षों के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि निचली अदालतों द्वारा दी जाने वाली फांसी की सजा में गलत या अनुचित दोषसिद्धि का एक तय पैटर्न बन गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में जहां ट्रायल कोर्ट ने 1,310 लोगों को मौत की सजा सुनाई, वहीं उच्च न्यायालयों ने इनमें से केवल 70 मामलों में ही सजा की पुष्टि की। यह संख्या कुल मामलों का बेहद छोटा हिस्सा है, जो न्याय प्रक्रिया में निचली स्तर पर गंभीर खामियों की ओर इशारा करती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले तीन लगातार वर्षों (2023-2025) में एक भी फांसी की सजा की पुष्टि नहीं की है। इसके उलट, शीर्ष अदालत में बरी होने की दर में भारी उछाल आया है। 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने पास आए 19 में से 10 मामलों में आरोपियों को पूरी तरह बरी कर दिया, जो 2016 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

अगस्त 2025 में 'वसंत संपत दुपारे बनाम भारत सरकार' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए कहा था कि मृत्युदंड की सुनवाई निष्पक्ष सुनवाई का एक अनिवार्य हिस्सा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और जेल रिकॉर्ड जैसी रिपोर्ट के बिना दी गई सजा मौलिक अधिकारों का उल्लंघन मानी जाएगी।

बदल रहा ट्रेंड

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2025 में सत्र न्यायालयों ने 83 में से 79 मामलों में सुप्रीम कोर्ट के अनिवार्य दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया। यह करीब 95.18% है। कई मामलों में दोषी करार दिए जाने के उसी दिन सजा सुना दी गई, जिससे आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत इतिहास की रिपोर्ट तैयार करने का समय ही नहीं मिला।

मेट्रो एंकर

अपने ही घर में बेइज्जती, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर पाकिस्तानियों ने उड़ाया मजाक

ट्रेड डील : शहबाज-मुनीर की रोते हुई तस्वीर के साथ ट्रोलिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी

बीते दिन भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हुआ है, वहीं इस समझौते को लेकर पाकिस्तानियों ने खुद के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया है। सोशल मीडिया पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कई पाकिस्तानियों ने अपने पीएम और सेना प्रमुख की जमकर बखिया उधेड़ी है।

एक्स पर एक पाकिस्तानी यूजर ने एक पोस्ट में एक एडिटेड पोस्टर पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को रोते हुए दिखा है। इस तस्वीर में आसिम मुनीर के हाथ में पत्थरों से भरा लकड़ी का एक बक्सा भी है। वहीं एक यूजर ने एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के पीछे आसिम मुनीर को पत्थरों से भरा बक्सा खड़े हुए दिखाया गया है।

भारत से ज्यादा कर चुकाएगा पाकिस्तान: अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के तहत भारत पर 18 फीसदी टैरिफ लागू होगा, वहीं पाकिस्तान को भारत से ज्यादा 19 फीसदी कर देना होगा। इसे लेकर तमाम पाकिस्तानी अपने सरकार पर जमकर बरस रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान की तरह न जी हजूरी की और न ही अपने शर्तों से पीछे हटा। इस ट्रेड डील के बाद पाकिस्तानी शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर की तुलना वेश्या से की है।

भारत के पड़ोसी देशों पर कितना टैरिफ

पाकिस्तान:	19%
मलयेशिया:	19%
कंबोडिया:	19%
थाईलैंड:	19%
बांग्लादेश:	20%
वियतनाम:	20%

25 घटाकर 18 प्रतिशत किया टैरिफ

भारत और अमेरिका के बीच बने व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। हालांकि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि नया टैरिफ कब से लागू होगा? बता दें कि, अमेरिका की तरफ से भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाने के बाद व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण हो गए थे, जिसमें रूसी तेल खरीद से जुड़ा 25% शुल्क भी शामिल था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564